राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 06 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–161 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र जीता, शिवसेना पर भी राज किया, अब उद्धव गुट के साथ शांति चाहते हैं एकनाथ शिंदे-भाजपा

एक नेता ने कहा, उनके साथ मौजूद आदित्य ठाकरे समेत 15 विधायकों के खिलाफ की गई कोई भी कार्रवाई लौटकर वापस आ सकती है। इससे ऐसा लगेगा कि भाजपा शिवसेना को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

मुंबई। महाराष्ट्र में फ्लोर टेस्ट के बाद भी कई सियासी प्रक्रियाएं बाकी हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना गुट के बीच जारी राजनीतिक संघर्ष यहीं समाप्त हो सकता है। खबर है कि भाजपा और शिंदे गुट पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ बचे 15 विधायकों की अयोग्यता के लिए दबाव नहीं बनाएगा। दोनों गुटों के बीच तनाव शांत होने के भी कई संकेत मिले हैं।

एजेंसी की रिपोर्ट में भाजपा के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पार्टी शांति चाहती है। नाराजगी शांत होने का एक संकेत सोमवार को सदन की कार्यवाही में भी देखने को मिला, जब उद्धव गुट के नेताओं ने कोई हंगामा नहीं किया। खास बात है कि शिंदे गुट की तरफ से जारी व्हिप नहीं मानने के चलते विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई है।

किसने लिखी महाराष्ट्र की सियासी पटकथा? एकनाथ शिंदे ने बताया कौन है 'असली कलाकार'

रिपोर्ट के अनुसार, एक भाजपा नेता ने कहा, 'भाजपा-शिंदे गुट की तरफ से शुरुआत में की गई कड़ी बातचीत शिंदे गुट के खिलाफ उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना की चुनौती का सामना सुप्रीम कोर्ट में करने के लिए एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थी।... अब हमने स्पीकर का चुनाव और विश्वास मत दोनों जीत लिए हैं, तो हम शांति चाहते हैं।'

एक नेता ने कहा, 'उनके साथ मौजूद आदित्य ठाकरे समेत 15 विधायकों के खिलाफ की गई कोई भी कार्रवाई लौटकर वापस आ सकती है। इससे ऐसा लगेगा कि भाजपा शिवसेना को खत्म करने की कोशिश कर रही है।'पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिंदे गुट के चीफ व्हिप भरत गोगावले ने कहा कि 15 विधायकों की अयोग्यता की मांग में आदित्य को छोड़ा गया है।

उन्होंने कहा, 'हमारा व्हिप नहीं मानने के चलते हमने उन्हें नोटिस दिए, लेकिन बाल ठाकरे लिए सम्मान के कारण हमने आदित्य के नाम का जिक्र नहीं किया। हमने उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया और न ही उनका नाम शामिल किया है।'

विश्वास मत जीतने के लिए बाद शिंदे की तरफ से दिए गए भाषण में भी सुलह के सुर सुने गए। उन्होंने कहा कि वह प्रतिशोध की राजनीति में भरोसा नहीं करते हैं। उन्होंने बगावत के आरोप उद्धव पर लगाए और कहा कि वह बाल ठाकरे के हिंदुत्व के एजेंडा से भटक गए हैं। साथ ही उन्होंने विपक्ष को भी भरोसा दिया कि उनकी सरकार बदला नहीं लेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एक भाजपा नेता ने कहा, 'भाजपा-शिंदे गुट की तरफ से शुरुआत में की गई कड़ी बातचीत शिंदे गुट के खिलाफ उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना की चुनौती का सामना सुप्रीम कोर्ट में करने के लिए एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थी।...

उद्धव भी हैं कानूनी लड़ाई में शामिल

उद्धव गुट ने भी शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए याचिका दाखिल की है, जिसपर सुप्रीम कोर्ट में 12 जुलाई को सुनवाई होनी है। शीर्ष अदालत ने शिंदे गुट को नोटिस का जवाब देने के लिए 12 जुलाई तक का समय दिया है। सोमवार को हुए फ्लोर टेस्ट में शिंदे सरकार के समर्थन में 164 वोट गए। जबकि, विपक्ष को 99 वोट ही मिले।

गुपकार गठबंधन मिलकर लड़ेगा जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव, फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती का ऐलान

हमें अपनी खोई हुई गरिमा की बहाली के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला किया है। दोनों दलों ने सोमवार को कहा कि गुपकार घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) जम्मू-कश्मीर में संयुक्त रूप से विधानसभा चुनाव लड़ेगा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) दोनों पीएजीडी के प्रमुख घटक दल हैं। एनसी अध्यक्ष और पीएजीडी के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ÷हम एक साथ चुनाव लड़ेंगे। एक राजनीतिक दल है जिसने कहा कि उसने गठबंधन छोड़ दिया है। सच्चाई यह है कि वे कभी गठबंधन का हिस्सा नहीं थे। वे हमें भीतर से तोड़ने आए थे।

खोई हुई गरिमा की बहाली के लिए मिलकर करेंगे प्रयास

पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी इसी तरह की बात कही। महबूबा ने कहा, हम एक साथ चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं क्योंकि यह लोगों की इच्छा है कि हमें अपनी खोई हुई गरिमा की बहाली के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए। अब्दुल्ला ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सरकार जब चाहे चुनाव करा सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बाढ़ आई थी तब चुनाव हुए थे। अब चुनाव क्यों नहीं हो सकते? सवाल यह है कि वे चुनाव कैसे लड़ना चाहते हैं। अमरनाथ यात्रा के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर के लोगों ने वर्षों से तीर्थयात्रा का सुचारू संचालन को पूरे दिल से सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि गुफा की खोज करने वाला व्यक्ति कौन था? वह पहलगाम का रहने वाला मुसलमान था।

सबसे खतरनाक गोरखा जवानों की भर्तियों में पहले ही कमी

अग्निपथ योजना और बढ़ा सकती है चुनौती

नई दिल्ली। सेना की ताकत में इजाफा करने वाले गोरखाओं की भर्ती हालांकि अग्निपथ योजना में भी पहले की भांति जारी रखेगी। लेकिन, सेना पर्याप्त गोरखा अग्निवीर जवान मिलने को लेकर आश्वस्त नहीं है। इसकी वजह यह है कि पुरानी भर्ती प्रक्रिया में भी गोरखाओं की भर्ती में कमी आने लगी थी। सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसमें भारतीय मूल के साथ नेपाली गोरखा भी आवेदन कर सकते हैं। पूर्व की भांति नेपाली गोरखाओं के लिए मौके रखे गए हैं। लेकिन, संशय इस बात को लेकर है कि क्या नेपाली गोरखा चार साल की सेवा को सेना में आएंगे। जबकि पूर्व में जब नियमित भर्ती होती थी, तब भी गोरखा आवेदकों की संख्या में कमी आने लगी थी। इसकी वजह नेपाल में भारतीय विरोधी वातावरण पैदा किया जाना, गोरखाओं के परंपरागत सुरक्षा कार्य को छोड़ अन्य पेशे में जाना मानी गई। ऐसे में नई योजना अग्निपथ इस चुनौती को बढ़ा सकती है।

सेना में सात रेजिमेंट और 39 बटालियन हैं-बता दें कि भारतीय सेना में गोरखाओं की सात रेजिमेंट तथा 39 बटालियन हैं। छह रेजिमेंट आजादी के पहले से ही चली आ रही हैं। इनमें करीब 32 हजार गोरखा जवान कार्यरत हैं। आकलन है कि 75 फीसदी गोरखा नेपाली मूल के, जबकि शेष भारतीय हैं।

2015 के बाद नई गोरखा बटालियन नहीं बनाई-सेना ने 2015 के बाद कोई नई गोरखा बटालियन तो नहीं बनाई। जो नई भर्ती होती रहती थी, उसमें यह देखा गया था कि गोरखा उम्मीदवार घट रहे हैं। सेना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अग्निवीर के रूप में भर्ती होने के लिए गोरखाओं का उत्साह कैसा रहता है, यह अगले कुछ दिनों में पता चल पाएगा।

उच्च न्यायालय ने अपराधियों को राजनीति से बाहर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने संसद और निर्वाचन आयोग से अपराधियों को राजनीति से बाहर करने और अपराधियों, नेताओं और नौकरशाहों के बीच अपवित्र गठजोड़ को तोड़ने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है। पीठ ने कहा कि हालांकि उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को इस दिशा में उचित कदम उठाने को कहा है लेकिन अभी तक आयोग और संसद ने ऐसा करने के लिए सामूहिक इच्छा शक्ति नहीं दिखायी है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने घोसी (मऊ) से बहुजन समाज पार्टी के सांसद अतुल कुमार सिंह उर्फ अतुल राय की जमानत अर्जी खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। राय अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस करने के लिए पीड़िता और उसके गवाह पर नाजायज दबाव बनाने के आरोप में जेल में बंद हैं। उनके कथित दबाव के कारण पीड़िता और उसके गवाह ने आत्महत्या की कोशिश की थी। बाद में, गंभीर अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। इस मामले में हजरतगंज थाने में सांसद राय समेत कई

लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

पीड़िता ने वर्ष 2019 में अतुल राय पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। राय के मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि उनके खिलाफ कुल 23 मुकदमों का आपराधिक इतिहास है।

अदालत ने कहा कि राय जैसे आरोपी ने गवाहों को जीत लिया, जांच को प्रभावित किया और अपने पैसे, बाहुबल और राजनीतिक शक्ति का उपयोग करके सबूतों के साथ छेड़छाड़ की।

संसद और राज्य विधानसभा में अपराधियों की खतरनाक संख्या सभी के लिए एक चेतावनी है। अदालत ने यह भी पाया कि 2004 की लोकसभा में 24 प्रतिशत , 2009 की लोकसभा में 30 प्रतिशत, 2014 की लोकसभा में 34 प्रतिशत, वहीं 2019 की लोकसभा में 43 प्रतिशत सदस्य आपराधिक छवि वाले हैं।

पीठ ने कहा कि यह संसद की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपराधिक छवि वाले लोगों को राजनीति में आने से रोके और लोकतंत्र को बचाए। अदालत ने कहा कि चूंकि संसद और आयोग आवश्यक कदम नहीं उठा रहा, इसलिए भारत का लोकतंत्र अपराधियों, ठगों और कानून तोड़ने वालों के हाथों में सरक रहा है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में दर्दनाक सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। NDA की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू आज बिहार दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और NDA के सभी सांसदों और विधायकों से होटल मौर्य में मुलाकात कर समर्थन मांगेंगी। वहीं, अमेरिका में चार जुलाई के फ्रीडम डे परेड के दौरान गोलीबारी में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 30 लोग घायल हुए हैं। यह घटना इलिनायस प्रांत के शिकागो शहर के उपनगर हाइलैंड पार्क में हुई है। वहीं, एकनाथ शिंदे गुट के मुख्य सचेतक भरत गोगावले ने उद्धव ठाकरे खेमे के 14 विधायकों को व्हिप उल्लंघन का नोटिस जारी कर दिया है।

अमूल्य विरासत के इकोसिस्टम को समृद्ध करेगी तकनीक और विज्ञान

नई दिल्ली। भारत की पुरातात्विक विरासत के माध्यम से स्वावलंबन और आर्थिक समृद्धि को सशक्त करने के लिए अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) हैदराबाद आगे आया है। आइआइटी हैदराबाद ने सांस्कृतिक विविधता से भरे देश की विरासत को इकोसिस्टम को नवजीवन देने के लिए तकनीकी रूप से दक्ष विशेषज्ञ तैयार करने का जिम्मा लिया है। संस्थान ने एक बड़ी पहल करते हुए विरासत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (हैरिटेज साइंस एंड टेक्नोलाजी) नाम से नया पाठ्यक्रम आरंभ किया है।

हजारों लोगों की आर्थिकी होगी सशक्त- देश के कोने-कोने में सांस्कृतिक, धार्मिक और कला के क्षेत्र में गौरवमयी विरासत है। इनके इर्द-गिर्द हजारों लोगों की आजीविका भी फल-फूल रही है। अब यह नया कोर्स विज्ञान और तकनीक के प्रयोग से इन विरासतों के आसपास के औद्योगिक परिदृश्य को नया कलेवर प्रदान करेगा।

अगस्त से शुरू होगा कोर्स- इस दो वर्षीय पाठ्यक्रम में विद्यार्थी एमटेक कर पाएंगे। अगस्त 2022 से शुरू होने वाला पाठ्यक्रम आनलाइन होगा। इसमें तीन विषय योग विज्ञान, प्रौद्योगिकी, भारतीय भाषा प्रसंस्करण, और वास्तुकला का संरक्षण व पुनर्निर्माण शामिल हैं। एचएसटी पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रविधान की तरह इस कोर्स के छात्र अपनी सुविधा के हिसाब से कोर्स बीच में छोड़कर प्रमाणपत्र हासिल कर

सकते हैं। इसमें एक साल का स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडी) प्रमाणपत्र लेकर विद्यार्थी अलग हो सकते हैं। एचएसटी विभाग प्रमुख डा. मोहन राघवन के अनुसार भारतीय विरासत, स्मारक, पुरातात्विक स्थल, भाषा, पोशाक, ज्ञान प्रणाली और स्वदेशी प्रौद्योगिकियां सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी मानवता के लिए अमूल्य धरोहर हैं। इनमें दबे और छिपे हुए बहुमूल्य इतिहास को बाहर आना चाहिए। साथ ही, इनके आसपास पनप रहे और प्राचीन भारतीय परंपराओं को सहेजती कलाओं से जुड़े व्यापारों-उद्योगों को भी विज्ञान और तकनीक का आधार मिलना चाहिए।

विरासत संभालने को आगे आ रहीं आइआइटी

आइआइटी बीएचयू: संस्कृत को व्यवहार रूप में कंप्यूटर की भाषा के रूप में बदलने की पहल

आइआइटी इंदौर: क्लासिकल साइंटिफिक विषयों को पढ़ने के लिए पाठ्यक्रम। पहले हिस्से में जो संस्कृत नहीं जानते, उनमें संस्कृत में बात करने का कौशल विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम के दूसरे भाग का उद्देश्य छात्रों में संस्कृत भाषा में तकनीकी विषयों को समझने की योग्यता विकसित करना है।

आइआइटी बांबे : संस्कृति मंत्रालय के साथ हुए अनुबंध के अंतर्गत नेशनल वर्चुअल लाइब्रेरी आफ इंडिया परियोजना शुरू की है। इसमें भारतीय संस्कृति पोर्टल में भारतीय ज्ञान, कला, संस्कृति और इतिहास को डिजिटाइज किया जा रहा है।

आइआइटी खडगपुर: संस्कृत को सुलभ बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) प्रणाली विकसित करने पर कार्य हो रहा है।

देश के ज्यादातर हिस्सों में पहुंचा मानसून, इन जगहों पर होगी भारी बारिश

नई दिल्ली। देखते ही देखते मानसून ने अब पूरे देश को अपनी गिरफ्त में कर लिया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों से बारिश की तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मौसम विभाग ने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया है। अगले चार दिन में देश के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

दरअसल, मौसम विभाग के नवीनतम अपडेट के मुताबिक अब मानसून पूरे देश में सक्रिय है। एक तरफ जहां उत्तर भारत में भारी बारिश होने के आसार हैं तो वहीं दक्षिण भारत में भी कई जगहों पर भारी बारिश होगी। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते मौसम विभाग ने कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में कुछ जगहों पर गरज चमक और भारी बारिश हो सकती है।

इसके अलावा महाराष्ट्र के कई जिलों में भी मानसून काफी सक्रिय है। कोंकण और

गोवा, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्यप्रदेश और उत्तराखंड में 5 से 8 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़, केरल और माहे में 5-6 जुलाई के बीच जमकर बारिश होगी। राजस्थान में भी मानसून की एंट्री हो चुकी है। राज्य में भले ही मानसून तय समय से लेट पहुंचा हों, लेकिन फिर भी प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बारिश सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड की गई।

उधर उत्तरी ओडिशा, उससे सटे दक्षिण झारखंड और पश्चिम बंगाल के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। कर्नाटक और गोवा में भी भारी बारिश हो रही है. केरल के छह जिलों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, केरल के कुछ जिलों में भी मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है।

बता दें कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सामान्य समय से करीब छह दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी अरब सागर के हिस्सों, गुजरात व राजस्थान के बाकी इलाकों में भी मानसून पहुंचने के साथ देश भर में छा गया है। देशभर में मानसून पहुंचने की सामान्य तिथि आठ जुलाई है, लेकिन इससे पहले ही मानसून ने समूचे भारत को कवर कर लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जब तक तुम स्वयं पर विश्वाश नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते। - विवेकानंद

संपादकीय

विश्वसनीयता पर सवाल

देश में जारी राजनीतिक वर्चस्व के लिये सूचना तंत्र के इस्तेमाल की जंग में सोशल मीडिया व परंपरागत मीडिया के एक हिस्से को भी इस्तेमाल करने से नहीं चूका जा रहा है, जो कालांतर विश्वसनीयता के संकट का वाहक ही बनेगा। हालिया उदाहरण के रूप में, जैसा कि कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी के वायनाड में दिये गये एक बयान को उदयपुर के हत्यारों से जोड़ने का प्रयास एक चर्चित चैनल के टीवी एंकर ने किया है जिसके चलते कांग्रेस पार्टी की ओर से चैनल के एंकर, भाजपा के एक राष्ट्रीय प्रवक्ता, एक विधायक आदि के खिलाफ जयपुर में आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का उक्त चैनल के खिलाफ बयान आया था जिसके बाद ही ये प्राथमिकी दर्ज की गई। यहां तक कि क्षुब्ध कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चैनल के नोएडा स्थित कार्यालय पर प्रदर्शन भी किया गया। दरअसल, 24 जून को राहुल गांधी के केरल में वायनाड स्थित कार्यालय में वामदलों की युवा शाखा ने तोड़फोड़ की थी। राहुल ने एसएफआई कार्यकर्ताओं को बच्चा कहकर माफ करने की बात कही थी। जबकि राहुल के उक्त बयान को उदयपुर की उस घटना से जोड़कर प्रसारित किया गया, जिसमें दो धर्मांध लोगों ने एक दर्जी की गला रेतकर हत्या कर दी थी। निश्चित रूप से हेट क्राइम की घटना से राहुल गांधी के वायनाड के बयान को जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। जिसके राजनीतिक निहितार्थ भी हैं और उससे कांग्रेस पार्टी के जनाधार पर प्रतिकूल असर होने की बात पार्टी नेता करते रहे हैं। पार्टी नेताओं का आरोप है कि भाजपा को राजनीतिक लाभ देने और लोगों की भावनाओं को भड़काने के मकसद से टीवी प्रसारण की क्लिप को ट्विटर पर भी साझा किया गया। हालांकि, मीडिया हाउस ने इस बात के लिये माफी मांग ली है लेकिन पार्टी ने केरल में दिये गये बयान को तोड़-मरोड़ कर उदयपुर की घटना से जोड़ने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। निश्चित रूप से मीडिया और राजनीति के बीच जो हल्की लक्ष्मण रेखा है, उसका उल्लंघन करना पत्रकारिता के मूल्यों का ह्रास ही कहा जायेगा। लंबे समय से देश में मीडिया के एक वर्ग पर देश के शीर्ष नेतृत्व को बढ़त देने के आरोप लगते रहे हैं, हालिया घटनाक्रम भी ऐसे ही आरोपों की ओर इशारा करता है। निस्संदेह, जनता मीडिया से नीर-क्षीर विवेक की उम्मीद करती है जिसका दायित्व तथ्यों की पवित्रता को कायम रखते हुए जिम्मेदारी से सूचना का संप्रेषण करना है। मीडिया विशिष्ट नहीं है उन्हें केवल जनता के सूचना प्रतिनिधि के रूप में काम करने का दायित्व मिला है। विडंबना यह है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सबसे पहले खबर देने की होड़ में ऐसी खबरों का प्रसारण हो जाता है जो तथ्यात्मक रूप से पुष्ट नहीं होतीं। टीआरपी के लिये गलाकाट स्पर्धा ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। दूसरी विडंबना यह भी है कि यदि इलेक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी चाहें तो भी कुछ चैनल मालिकों के निजी हित उनकी स्वतंत्र कार्यशैली में बाधक बन जाते हैं, जिसमें इन चैनल मालिकों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं व आर्थिक हित भी जुड़े रहते हैं। यही वजह है चैनलों के संचालन में मुनाफे के समीकरण को देखते हुए चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इनके संचालन में देश के अरबपति पूंजीपतियों व उनके राजनीतिक आकाओं की पूंजी भी लगी रहती है। सही मायनों में पत्रकारिता के सरोकारों से उनका कोई लेना-देना नहीं होता। संपादक संस्था के क्षरण से भी यहां स्वछंदता व गैरजिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा ही मिला है। जिसको मीडिया की विश्वसनीयता के नजरिये से सुखद संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। दरअसल, मीडिया की विश्वसनीयता अपरिहार्य शर्त है।

आज के कार्टुन

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है। ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शात शांति मिलती है। अंत-करण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दुःखी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दुःशासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं। देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईश्वर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रह्मण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है? परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

कैसे मिलेगा भुखमरी से छुटकारा ?

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

आज के आधुनिक युग में जहां पूरी दुनिया हाईटेक हो रही है। नित नए आविष्कार हो रहे हैं। दुनिया में तकनीकी का बोलबाला है। ऐसे में दुनिया भर के देशों में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। यह एक डरावना सत्य है। एक ओर जहां लोगों के रहन-सहन, जीवन-यापन के स्तर में काफी बदलाव देखने को मिलता है। लोग पहले की अपेक्षा अधिक सुख सुविधाओं के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। वही एक तबका ऐसा भी है जिनको खाने को भरपेट भोजन भी नहीं मिल रहा है। भोजन के अभाव में लोग भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। 21वीं सदी में आधुनिक होते जा रहे लोगों के लिए भुखमरी से होने वाली मौत एक करारे तमाचे से कम नहीं है। जब तक दुनिया के हर इंसान को दोनों वक्त भरपेट भोजन नहीं मिलेगा तब तक सारी तरक्की बेमानी है। लोगों को भुखमरी से निजात दिलाने की दिशा में सभी को सकारात्मक और प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। ताकि आने वाले समय में किसी भी जिंदा इंसान की भुखमरी से मौत ना हो सके। मानव जाति की मूल आवश्यकताओं की बात करें तो रोटी, कपड़ा और मकान का ही नाम आता है। इनमे रोटी सर्वोपरि है। रोटी यानी भोजन की अनिवार्यता के बीच आज विश्व के लिए शर्मनाक तस्वीर यह है कि वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा अब भी भुखमरी का शिकार है। अगर भुखमरी की इस समस्या को भारत के संदर्भ में देखे तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा भुखमरी पर जारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सर्वाधिक भुखमरी से पीड़ित देशों में भारत का नाम प्रमुखता से है। खाद्यान्न वितरण प्रणाली में सुधार तथा अधिक पैदावार के लिए कृषि क्षेत्र में निरन्तर नये अनुसंधान के बावजूद भारत में भुखमरी के हालात बदतर होते जा रहे हैं। जिसकी वजह से भारत 116 देशों के वैश्विक भुखमरी सूचकांक (जीएचआई) 2021 में फिसलकर 101वें स्थान पर आ गया हैं। इस मामले में हम अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से भी पीछे है। जीएचआई में भारत के खराब प्रदर्शन की बात करें तो यह बीते कुछ सालों से लगातार जारी है। 2017 में इस सूचकांक में भारत का स्थान 100वां था। साल 2018 के इंडेक्स में भारत 119 देशों की सूची में 103वें स्थान पर रहा। वहीं 2019 में देश 117 देशों में 102वें स्थान पर रहा था। वर्ष 2020 में भारत 94 वें स्थान पर था। भारत का जीएचआई स्कोर भी गिर गया है। यह साल 2000 में 38.8 था जो 2012 और 2021 के बीच 28.8- 27.5 के बीच रहा। जीएचआई स्कोर की गणना चार संकेतकों पर की जाती है। जिनमें अल्पपोषण, कुपोषण, बच्चों की वृद्धि दर और बाल मृत्यु दर शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार पड़ोसी देश नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान भी भुखमरी को लेकर चिंताजनक स्थिति में हैं। लेकिन भारत की तुलना में अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने को लेकर बेहतर प्रदर्शन किया है। भूख और कुपोषण पर नजर रखने वाली वैश्विक भुखमरी सूचकांक की वेबसाइट पर बताया गया कि चीन, ब्राजील और कुवैत सहित अठारह देशों ने पांच से कम के जीएचआई स्कोर के साथ शीर्ष स्थान साझा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भूख के खिलाफ लड़ाई पटरी से उतर गई है। वर्तमान जीएचआई अनुमानों के आधार पर पूरी दुनिया और विशेष रूप से 47 देश- 2030 तक लक्ष्य के निम्न स्तर को प्राप्त करने में विफल रहेंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा पर कई मोर्चों पर बिगड़ती स्थितियां, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से संबंद्ध मौसम के बदलाव और कोविड -19 महामारी से जुड़ी आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियां भुखमरी को बढ़ा रही हैं। सहायता कार्यों से जुड़ी आयरलैंड की एजेंसी कंसर्न वर्ल्डवाइड और जर्मनी के संगठन वेल्ट हंगर हिल्फ द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई रिपोर्ट में भारत में भूख के स्तर को चिंताजनक बताया गया है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में बच्चों की उम्र के हिसाब से वृद्धि न होने की दर 1998-2002 के बीच 17.1 प्रतिशत थी। जो 2016-2020 के बीच बढ़कर 17.3 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में लोग कोविड -19 और महामारी संबंधी प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। दुनिया भर में सबसे अधिक चाइल्ड वेस्टिंग की दर यहीं है। रिपोर्ट में भुखमरी की स्थिति के लिहाज से दुनिया के 119 देशों को खतरनाक, अत्याधिक खतरनाक और गंभीर जैसी तीन श्रेणियों में रखा गया है। इनमें भारत गंभीर की श्रेणी में है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की इस स्थिति के कारण ही दक्षिण एशिया का प्रदर्शन हंगर इंडेक्स में और बिगड़ा है। भारत एक ऐसा देश जो अगले एक दशक में दुनिया के सर्वाधिक प्रभावशाली देशो की सूची में शामिल हो सकता हैं। वहां से ऐसे आंकड़े सामने आना बेहद चिंतनीय माना जा रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में विश्व भर में भूख के खिलाफ चल रहे अभियान की उपलब्धियों और नाकामियों को दर्शाया जाता है। भुखमरी को लेकर यह रिपोर्ट भारत सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह खड़े करती हैं। श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार हमसे आर्थिक से लेकर तमाम तरह की मोटी मदद पाते हैं। मगर भुखमरी पर रोकथाम के मामले में हमारी हालत उनसे भी बदतर क्यों हो रही है? इस सवाल पर ये तर्क दिया जा सकता है कि श्रीलंका व नेपाल जैसे कम आबादी वाले देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती। यह बात सही है लेकिन साथ ही इस पहलू पर भी ध्यान देने की जरूरत है कि भारत की आबादी श्रीलंका और नेपाल से जितनी अधिक है। भारत के पास क्षमता व संसाधन भी उतने ही अधिक हैं। खाद्य की बर्बादी की ये समस्या सिर्फ भारत में नही बल्कि पूरी दुनिया में है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष 1.3 अरब टन खाद्यान्न खराब होने के कारण फेंक दिया जाता है। कितनी बड़ी विडम्बना है कि एक तरफ दुनिया में इतना खाद्यान्न बर्बाद होता है और दूसरी तरफ दुनिया के लगभग 85 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। क्या यह अनाज इन लोगों की भूख मिटाने के काम नहीं आ सकता? पर व्यवस्था के अभाव में ये नहीं हो पा रहा है। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि हर वर्ष हमारे देश में खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन होने के बावजूद क्यों देश की लगभग एक चैथाई आबादी को भुखमरी से गुजरना पड़ता है? यहां मामला यह है कि हमारे यहां हर वर्ष अनाज का रिकार्ड उत्पादन तो होता है। पर उस अनाज का एक बड़ा हिस्सा लोगों तक पहुंचने की बजाय कुछ सरकारी गोदामों में तो कुछ इधर-उधर अव्यवस्थित ढंग से रखे-रखे सड़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र के एक आंकड़े के मुताबिक देश का लगभग 20 फीसद अनाज भण्डारण क्षमता के अभाव में बेकार हो जाता है। इसके अतिरिक्त जो अनाज गोदामों में सुरक्षित रखा जाता है। उसका भी एक बड़ा हिस्सा समुचित वितरण प्रणाली के अभाव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने की बजाय बेकार पड़ा रह जाता है। भारत में भुखमरी से निपटने के लिए अनेको योजनाएं बनी हैं लेकिन उनकी सही तरीके से पालना नहीं होती है। महंगाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल ने गरीबों और कम आय वाले लोगों को असहाय बना दिया है। हमारे देश में सरकार द्वारा भुखमरी को लेकर कभी उतनी गंभीरता दिखाई ही नहीं गई जितनी कि होनी चाहिए। यहां सरकार द्वारा हमेशा भुखमरी से निपटने के लिए सस्ता अनाज देने सम्बन्धी योजनाओं पर ही विशेष बल दिया गया। कभी भी उस सस्ते अनाज की वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने को लेकर कुछ ठोस नहीं किया गया। आज सार्वजनिक वितरण प्रणाली हांफ रही है और मिड-डे मील जैसी आकर्षक परियोजनाएं भ्रष्टाचार और प्रक्रियात्मक विसंगतियों में डूबी हुयी हैं। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहतें हैं।)

महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व का महापंच

(लेखक-विनोद तकियावाला)

भारतीय राजनीति में इन दिनों काफी उथल पुथल हो रहा है। खास कर महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर जो तुफान आया था वह फिलहाल थम सा गया है।लेकिन भारतीय राजनीति पर पैनी नजर बनाये रखने वाले इस बात से सहमत नही दिख रहे है।उनका मानना है कि भले महाराष्ट्र की राजनीति में जिस तरह से भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व में सफल नाटक की पृष्टभुमि तैयार कर सफल नाटकीय रूप से एकनाथ शिंदे को मुख्य मंत्री के पद पर आसिन कर एक तीर से कई निशाने लगाये है।इसके दुरगामी परिणाम अगामी दो राज्यो के विधान सभा चुनाव व 2024 में होने वाले लोक सभा के आम चुनाव पर पड़ेगा7फिलहाल एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के रूप में पद की सपथ ले ली है ।शांत सागर को देख कर तट पर रहने मछुआरे भयंकर ज्वार भाटा आने का अंदाज लगा लेते है ठीक इसी प्रकार महाराष्ट्र की राजनीति पर यह कहावत बहुत ही हद तक सटीक बैठता है।विगत पखवाड़े में महाराष्ट्र के राजनीति महामंच मे एम वी ए के गठबन्धन की सरकार को सता के सिंघासन से बेदखल करने में नायक के रूप एकनाथ शिंदे की जितनी भुमिका रही उससे कही अधिक भुमिका पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की रही। करीब ढाई साल पूर्व की घटना आप सभी को याद होगी जब महाराष्ट्र के विधान सभा के चुनाव 120 सीटो पर जीत हासिल कर भाजपा सबसे बडी पार्टी बन कर ना आई ब्लकि अंकगणित के गठबंधन को ध्यान मे रख कर रातों रात अपनी सरकार बन बना ली।हालाकि यह सरकार मात्र तीन दिन में चल पाई ।ठीक उसी तरह का दृश्य इन दिनो देखने को मिला।महाराष्ट्र के सिंधासन परिवर्तन में पूर्व मुख्यमंत्री का विशेष योगदान रहा है।जिस नाटकीय ढंग उद्धव ठाकरे का मुख्य मंत्री से इस्तीफा देने के पहले मुख्य आवास खाली कर दिया अपने पैतृक आवास में लौटना ' शिव सैनिक से भावुक अपील करना ' शिंदे को स्वयं ठाकरे व महा विकास अंगाड़ी के नेताओ द्वारा मुख्य मंत्री पद आफर करना आदि।भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है वह काफी ही सोचनीय है।

शिंदे ने महाराष्ट्र की जनता के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमने अपने मन में कोई स्वार्थ नहीं है।हमारा बीजेपी के साथ नैचुरल गठबंधन था। नाराज विधायकों के द्वारा आगे भी मिलेगा।एकनाथ शिंदे ने कहा,मैं भी सरकार में काम कर रहा था , लेकिन राज्य के हित मे कुछ नहीं हो रहा था।हालाकि महाविकास आघाड़ी के लिये गये कुछ ऐसे फैसले हुए।उसका स्वागत है परन्तु आपसी वैचारिक मतभेद से हम कुछ मामलों पर आगे नही बढ़ सकते थे।उन्होंने कहा कि राज्य के हित और महाराष्ट्र की जनता केभविष्य को दृष्टि से जो कुछ हो रहा था,एम वी ए की वजह से हम कुछ फैसले नहीं ले पा रहें थे।देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा दिल दिखाया ।शिंदे ने कहा कि हम 39 और निर्दलीय 11 विधायक जब अलग फैसला लेते हैं तो समझना चाहिए था।बड़े पैमाने पर 50 लोग साथ आते,वो लोग मुझे अपनी समस्याएं बताते।हमने ये निर्णय राज्य के हित में जनता की उम्मीदें पूरी करने के लिए लिया है।उन्होंने कहा कि फडणवीस साहब ने जो फैसला लिया उसका स्वागत हो रहा है।पार्टी के 120 विधायकों की ताकत उनके पास थी,चाहते तो फडणवीस सीएम पद ले सकतें थे लेकिन उन्होंने बाल ठाकरे के शिवसैनिक को इस पद के लिए चुना,इसके लिए उनका दिल से शुक्रिया।

इसके लिए मैं मोदीजी,अमित शाह देवेंद्र जी धन्यवाद व्यक्त करता हूं।मुख्य मंत्री का पद मैने किसी लालच में नहीं लिया और ना मैंने भी कोई पद नही मांगा था।हम महाराष्ट्र को विकास की तरफ ले जाएंगे।देवेंद्र बडे दिल के व्यक्ति हैं।शिंदे ने आगे कहा कि 50 विधायकों ने बालासाहेब और धर्मवीर दिघे की भूमिका को आगे ले जाने का काम किया।उन्होंने विश्वास जताया,उनका शुक्रिया। हमारे पास 120 और 50, आज 170 की ताक़त है,आगे और भी विधायक हमसे जुड़ेंगे।केंद्र की मोदी सरकार की ताकत भी हमारे शाथ खड़ी रहेगी तो हमारी राह में कोई अड़चन नहीं आएगी।पहले जिस तरह फडणवीस के द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में घोषणा की गई कि- मैं सरकार से बाहर रहूंगा । लेकिन पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व के समक्ष उन्हे अपने फैसले को वापस लेने को बाध्य होकर उप मुख्यमंत्री का पद का सपथ लेना पड़ा।इसके लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की घंटी ही नही बजाई गई ब्लकि पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष को कैमरे के समाने आ कर पार्टी का फरमान सुनाना पड़ा।हालांकि इस तरह घटना पहली बार नही बल्कि बाबु लाल गौर,अशोक चौहान के साथ हो ये प्रकरण हो चुकी है।ये पहले मुख्य मंत्री रहने के बाद मंत्रीमंडल में जगह दी गई।लेकिन देवेन्द्र फड़नवीस के संदर्भ में राजनीति के मर्मज्ञ का मानना है कि फड़नवीस को अपनो की ही बुरी नजर लग गई। विगत दिनों की फड़णवीस की राजनीतिज्ञ सफर पर गौर करें तो सन 2014 से 2019 तक महाराष्ट्र के एक सफल मुख्य मंत्री व तीन दिन के नाटकीय मुख्य मंत्री रहे।उन्हें पार्टी केन्द्रीय के नेतृत्व द्वारा कई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए,जिसका उन्होनें सफल निर्वाहन किया ,चाहे वह विहार विधान सभा का चुनाव हो या गोवा का हो।फड़नवीस की बढ़ती लोकप्रियता के कारण इनका केन्द्रीय राजनीति व दिल्ली दरबार में भी दबे जुबान से चर्चा होने लगी कि फडणवीस धमाकेदार केन्द्र की राजनीति में इन्ट्री होने वाली है।उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के कान भरें गये।ऐसे तो राजनीतिक पार्टी में अर्न्त कलह आम बात होती है लेकिन संघ के संरक्षण में चलने वाली भारतीय जनता पार्टी के अन्दर इस तरह घटना पहली बार देखने को मिली।जिसकी चर्चा व चिन्तन चारों ओर है।इसका पुख्ता सबूत तब देखने को मिला जब एकनाथ शिंदे के नाम की चर्चा पर फड़नवीस स्वयं दिल्ली पहुँच कर पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की तथा बाद में महाराष्ट्र जा कर एक नाथ शिंदे के लिए अनुकूल वातावरण किया ।

सू-दोकू नवताल 2158

3	5		6		2			4
		8	9				3	5
7		1		8		2	6	9
	2		5	3		9		
	9		4		7		1	
		4		6	9		8	
4	3			5		7		1
9	8				1	6		
6			7		3	4	2	8

सू-दोकू -2157 का हल

8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2158

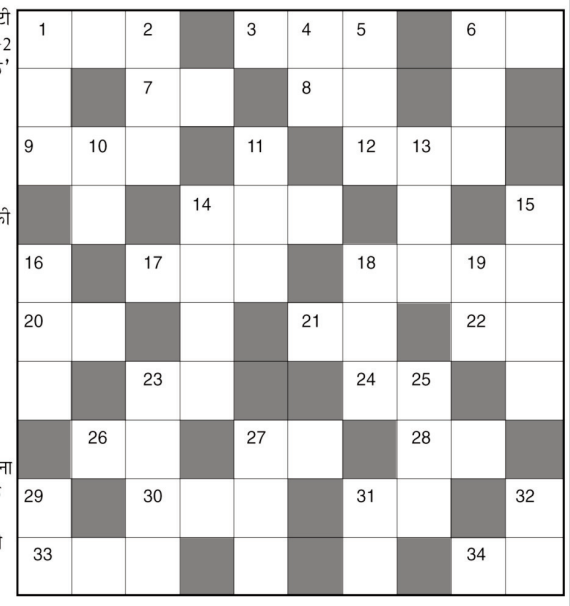

बायें से दायें:-

1. जैकी, सलमान, रंभा, अश्विनी की फिल्म-3
3. नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-3
6. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था ?-2
7. 'तू प्यार का सागर है' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'लावारिस' में अमिताभ बच्चन के किरदार का या नाम था ?-2
9. फिल्म 'घर में राम गली में श्याम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी ?-3
12. 'शहर की लड़की' गीतवाली फिल्म-3
14. 'अंग्रेजी में कहते हैं आई लव यू' गीत वाली फिल्म-3
17. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
18. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है ?-4
20. फिल्म 'सपनों का सौदागर' में राजकपूर के साथ नायिका-2
21. फिल्म 'अंत' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-2
22. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
23. सनी, सुनील, शिल्पा की फिल्म-2
24. फिल्म 'दो बदन' के संगीतकार-2
26. फिल्म 'फिजा' में ऋतिक की मां की भूमिका किसने की थी ?-2
27. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
28. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर, राखी की फिल्म-2
30. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली फिल्म-3
31. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
33. अक्षय कुमार, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'मैं लड़की का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
34. राजेश, बबीता अभिनीत फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना' गीत वाली अशोक कुमार, नूतन, की फिल्म-3
2. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि कपूर की नायिका-3
4. फिल्म 'दौलत की जंग' में आमिर खान के साथ नायिका कौन थी ?-2
5. ऋषि कपूर, अरबाज, जूही अभिनीत फिल्म-3
6. शत्रुघ्न सिन्हा, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-3
10. अनिल कपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूं कभी तुम कहो' गीत वाली फिल्म-2
11. सुनील शेट्टी, हरीश, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
13. 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
14. 'मय से मीना से ना साकी से' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-4
15. बॉबी देओल, अक्षय, करीना, बिपाशा की 'कसम से तेरी आंखें' गीत वाली फिल्म -4
16. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीप कुमार, कल्पना की फिल्म-3
18. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
19. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. अजय देवगन, सुनील शेट्टी, संजय कपूर, चंकी पांडे, रिया, रवीना, नेहा की 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
25. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
27. रंजन, चित्रा, जयश्री गड्कर की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-3
29. संजय दत्त, अभिषेक जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
31. गोविंदा, जूही चावला की 'आ जाना जरा हाथ बढ़ाना' गीत वाली फिल्म-2
32. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2157

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
पं		ह	व	स		न	गिं	स	
ण		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	य		य	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	य	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		मां

नई ब्रांच खोलेगी मुथूट फाइनेंस

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ने एनएफसी कंपनी मुथूट फाइनेंस को 150 नई ब्रांच खोलने की मंजूरी दे दी है। गोल्ड लोन देने वाली यह कंपनी अब देशभर में गोल्ड लोन फाइनेंस और अन्य सेवाओं के लिए 150 नई ब्रांचे विभिन्न राज्यों में खोलने जा रही है। उल्लेखनीय है मुथूट फाइनेंस को 3 वर्षों के बाद रिजर्व बैंक द्वारा यह मंजूरी दी गई है। दक्षिण भारत और उत्तर भारत के राज्यों में जल्द ही नई ब्रांच खोली जाएंगी।

रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के एकीकरण के प्रस्ताव को दी स्वीकृति

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की शीर्ष बैंक एचडीएफसी बैंक ने बताया कि उसे उसकी मूल कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के साथ एकीकरण के प्रस्ताव के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है। बैंक ने कहा, 'एचडीएफसी को आरबीआई का 4 जुलाई, 2022 का पत्र मिला है जिसमें आरबीआई ने योजना के लिए अपनी 'अनापत्ति' व्यक्त की है और इसके लिए कुछ शर्तों का उसमें उल्लेख है।' विलय के लिए कुछ वैधानिक और नियामक मंजूरियां जरूरी होंगी। इस सप्ताह की शुरुआत में प्रस्तावित विलय के लिए बीएसई और एनएसई से मंजूरी मिल गई थी।

आईडीबीआई बैंक का स्वर्ण ऋण कारोबार 10,000 करोड़ रुपये के पार

मुंबई । आईडीबीआई बैंक ने 'स्वर्ण ऋण पोर्टफोलियों में 10,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार कर लिया है। मंगलवार को जारी एक बैंक विज्ञप्ति से इसकी जानकारी मिली। बैंक ने कहा, ÷आईडीबीआई बैंक ने स्वर्ण ऋण में 10,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर एक प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है। पिछले दो वर्षों में बैंक की स्वर्ण ऋण बही 5,000 करोड़ रुपये से दोगुनी होकर 10,000 करोड़ रुपये हो गई। एलआईसी नियंत्रित बैंक ने कहा कि उसकी ऋण संचालन प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित है और इससे 'स्वर्ण ऋण बही' की वृद्धि में मदद मिली है। बैंक ने कहा कि ग्राहक आमतौर से 10 से 15 मिनट में लेनदेन प्रक्रिया पूरी करते हैं।

अब 12से15 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल पर नहीं लगेगी एक्साइज ड्यूटी!

- वित्त मंत्रालय ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली । देश के वित्त मंत्रालय ने एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल को बढ़ावा देने के मद्देनजर घोषणा की है कि अब 12-15 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी नहीं देनी होगी। यही नहीं। इस निर्णय पर तत्परता दिखाते हुए वित्त मंत्रालय इसके संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। मनीकंट्रोल की एक खबर के अनुसार, वित्त मंत्रालय के नोटिफिकेशन पर जानकारी देते हुए सीएनबीसी-आवाज़ के इकोनॉमिक पॉलिसी एडिटर लक्ष्मण रॉय ने कहा कि जिस भी पेट्रोल में 12 से 15 प्रतिशत तक की एथेनॉल ब्लेंडिंग की गई है तो ब्लेंडेड एथेनॉल पर एक्साइज ड्यूटी से छूट रहेगी। लक्ष्मण रॉय ने एक्साइज ड्यूटी पर छूट के बारे विस्तार से समझाते हुए कहा कि मान लीजिए कि कुल 100 लीटर पेट्रोल है, जिसके 12 प्रतिशत मात्रा यानी 12 लीटर की एथेनॉल ब्लेंडिंग की गई है, तो उस 12 लीटर पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी नहीं देनी होगी। हालांकि 100 लीटर पेट्रोल के बाकी 88 प्रतिशत यानी कि 88 लीटर पर पेट्रोल पर पहले की तरह ही एक्साइज ड्यूटी देनी होगी। लक्ष्मण ने ये भी बताया कि एक महीने पहले ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एथेनॉल ब्लेंडिंग के सरकार के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए 9.5 प्रतिशत का टार्गेट हासिल कर लिया था। अब ये खबर है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एथेनॉल ब्लेंडिंग में 10 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल कर लिया है। सरकार द्वारा इस लक्ष्य को आगे और बढ़ाये जाने की उम्मीद है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार की सुबह अच्छी शुरुआत हुई पर समय के साथ ही बाजार गिरने लगा। दिन का कारोबार समाप्त होने तक बाजार की बढ़त पूरी तरह समाप्त हो गयी गयी और वह लाल निशान पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों में मिला-जुला रुख देखा गया। धातु , आईटी, फॉर्मा व एफएमसीजी सहित अन्य सभी शेयर नीच आये। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100.42 अंक करीब 0.19 फीसदी टूटकर 53,134.35 के स्तर पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी -24.50 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी नीचे आकर ही 15,810.85 अंकों पर बंद हुआ। हिंडाल्को, पावरग्रिड, श्रीराम सीमेंट, ओएनजीसी बजाज के शेयरों को लाभ हुआ जबकि आईटीसी, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, बीपीसीएल व ब्रिटानिया के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। विदेशी निवेशकों की बाजार से

रकम निकालने का सिलसिला जारी रहा। जून के बाद अब जुलाई में भी लगातार निकासी चल रही है. पिछले कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,149.56 करोड़ निकाले है। यह भी बाजार में गिरावट का एक कारण है।

सोने के भाव में लगातार तेजी

- 3 दिन में 700 रुपया प्रति 10 ग्राम बढ़े दाम

नई दिल्ली । मल्टीपल कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा सोने की कीमत में लगातार तेजी देखने को मिल रही है।पिछले 3 दिनों में 700 रूपये प्रति 10 ग्राम की दर से सोने के रेट बढे हैं। सरकार ने आयातित सोने पर टैक्स बढ़ाने के बाद भी सोने की कीमतों में उछाल बना हुआ है। महंगाई बेरोजगारी के बाद शेयर बाजार में लगातार गिरावट के बाद अब एक बार फिर निवेशकों का सोने मैं निवेश बढा है। उल्लेखनीय है, सारी दुनिया में स्टील अल्मुनियम और धातुओं के दाम में जहां मंदी देखने को मिल रही है। वही सोने के दामों में लगातार तेजी को आर्थिक मंदी से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

एशियाई और अमेरिकी शेयर बाजारों में बढ़त

टोक्यो । एशियाई और अमेरिकी शेयर बाजारों में बढ़त का माहौल है। वहीं यूरोपीय बाजारों में भी उछाल है। एशियाई बाजारों की बात करें तो सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज में सुबह कारोबार के दौरान 0.41 फीसदी की तेजी आई जबकि जापान का निक्केई 1.02 फीसदी की बढ़त पर कारोबर कर रहा है। ताइवान के बाजार में भी 1.80 फीसदी का उछाल रहा जबकि दक्षिण कोरिया का बाजार कॉस्पी 1.44 फीसदी की बढ़त पर देखा गया। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.01 फीसदी नुकसान पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर फेड रिजर्व की ओर से ब्याज दरें बढ़ाए जाने के बाद भी निवेशकों के सकारात्मक रुख से अमेरिकी बाजारों में तेजी है पर यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। अमेरिका में मंदी की आशंका के बाद भी निवेशकों के रुख से बाजार में तेजी है। निवेशकों के इस सकारात्मक रुख से अमेरिका के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज नेसडेक पर पिछले कारोबारी सत्र में 0.90 फीसदी की तेजी आई। वहीं अमेरिका की ही तरह से यूरोपीय बाजारों में भी ज्यादातर स्टॉक एक्सचेंज लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज पर 0.31 फीसदी की गिरावट आई। फ्रांस का शेयर बाजार 0.40 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ। इसके अलावा लंदन स्टॉक एक्सचेंज भी उछाल रहा।

ब्रिटेन बना 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश, भारत मात्र 13 अरब डॉलर से पिछड़ा

नई दिल्ली ।

महामारी कोरोना के दंश को झेल चुकी भारतीय अर्थव्यवस्था को तेज सुधारों के बावजूद 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश का तमगा खोना पड़ा है। विश्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार अब ब्रिटेन दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। वर्ल्ड बैंक के हवाले से बताया कि वैसे तो ब्रिटेन से भारत महज 13 अरब डॉलर पीछे है लेकिन आर्थिक वृद्धि में वह ब्रिटेन से कहीं आगे है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिर्फ एक साल की बात है और भारत फिर ब्रिटेन को पीछे छोड़ देगा। वास्तविक टर्म में देखा जाए तो दोनों की जीडीपी के आकार में कोई अंतर नहीं है, लेकिन यह रिपोर्ट साल 2021 पर आधारित है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तवर्ष यानी 2021-22 के हिसाब से चलती है।

मौजूदा समय में दोनों अर्थव्यवस्था 32 खरब डॉलर के आकार की हैं, लेकिन 2021 की समाप्ति तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 31.7 खरब डॉलर जबकि ब्रिटेन की जीडीपी का आकार 31.9 खरब डॉलर रहा था। 2021 में भारत की जीडीपी महज 13 अरब डॉलर पीछे थी ब्रिटेन की जीडीपी से। 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था में ब्रिटेन के मुकाबले ज्यादा तेजी से सुधार आया है। भारत भले ही जीडीपी के आकार के मामले में ब्रिटेन से पीछे चला गया है, लेकिन कोरोना पूर्व स्तर से मौजूदा रिकवरी को

देखा जाए तो भारत ने कहीं बड़ी छलांग लगाई है। ब्रिटेन की जीडीपी में 2019 के स्तर से 2.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि भारत ने 2019 के मुकाबले अपनी जीडीपी में 17।8 फीसदी की बढ़त दर्ज की है।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है कि भारत जल्द ही फिर ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान पर आ जाएगा। उन्होंने कहा कि चालू वित्तवर्ष में जिस तरह भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। वित्तवर्ष की समाप्ति तक यह फिर पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। अगर पर्चेजिंग पॉवर पैरिटी (पीपीपी) की बात की जाए तो भारत इस मामले में तीसरे पायदान पर आ गया है। उससे ऊपर अमेरिका और चीन ही हैं। भारत की पीपीपी 2021 में 102.2 खरब डॉलर की थी, जो जापान के 54 खरब डॉलर से करीब दोगुना है। पीपीपी का मतलब है कि किसी देश में रहने की लागत जबकि उसकी स्थानीय करेंसी को डॉलर के टर्म में बदला जाए। इस लिहाज से चीन की पीपीपी सबसे ज्यादा 273.1 खरब डॉलर की है।

एलआईसी पर भरोसा, ब्रोकरेज को शेयर में उछाल की आस, बाय रेटिंग के लिए दिया 830 रुपये का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी शेयरों में लगातार गिरावट जारी है पर इसकी साख पर लोगों की उम्मीद बरकरार है इसका कारण है वर्षों का विश्वास। कंपनी ने ग्राहकों तक वृहद पहुंच के बल पर जीवन बीमा क्षेत्र में अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। ऐसा तब है जब नई कंपनियां भी इस क्षेत्र में उतर आई हैं। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने एलआईसी पर भरोसा जताते हुए इसके शेयरों की कवरेज शुरू कर दी है। मोतीलाल ओसवाल ने इसे 830 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ बाय रेटिंग दी है। मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि कंपनी लगभग 10 फीसदी का सीएजीआर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) डिलीवर करेगी। साथ ही नए बिजनेस का मार्जिन भी 13.6 फीसदी तक सुधर सकता है। ब्रोकरेज ने कहा है, 'एलआईसी के लिए एन्युटी सेगमेंट में बड़ी बढ़त है। जिसका उसे फायदा मिलेगा। हालांकि, प्राइवेट प्लेयर्स भी इसमें अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।' ब्रोकरेज ने कहा है कि अब एलआईसी की मार्केट वैल्यू काफी आकर्षक नजर आ रही है।

लिस्ट होने के बाद से ही एलाईसी के शेयरों में गिरावट का दौर जारी है। कंपनी के शेयर मौजूदा समय में आईपीओ प्राइस बैंड से 34 फीसदी नीचे आकर ट्रेड कर रहा है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि पिछले पांच दिनों के दौरान स्टॉक 659 रुपये से बढ़कर 707.20 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। इस दौरान शेयरों में करीब 7.03 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। वहीं, बीते एक महीने की बात करें तो शेयर करीब 9 फीसदी तक टूट गए हैं।

भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) ने अपने शेयरधारकों के लिए डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट की घोषणा कर दी है। कंपनी ने सोमवार को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि रिकॉर्ड डेट 26 अगस्त 2022 होगी। एलआईसी ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले हर शेयर पर '1.50 के लाभांश की घोषणा की थी। यह इसकी आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने अब अपने इस लाभांश के लिए रिकॉर्ड तिथि तय की है। एलआईसी मई में एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हुई थी। इसकी वार्षिक आम बैठक 27 सितंबर, 2022 को आयोजित होगी।

रुपया 79.36 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को सबसे निचले स्तर पर पहुंचा गया। रुपया 79.36 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आया। विदेशों में डॉलर के कमजोर होने के साथ ही विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से रुपये में यह गिरावट आई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.04 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 79.02 के उच्चतम स्तर और 79.38 रुपये के निचले स्तर तक पहुंचा। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव 78.95 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 41 पैसों की भारी गिरावट के साथ ही 79.36 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। वहीं विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.89 फीसदी बढ़कर 106.07 पर पहुंच गया।

शेयर बाजार की नरमी से डी-मार्ट के मालिक राधाकिशन दमानी के तीन महीने में लगा 26,000 करोड़ रुपये का फटका

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में सूचकांक में लगातार गिरावट का दौर चल रहा है आम निवेशकों के साथ ही दिग्गज निवेशक भी इस मंदी के शिकार रहे हैं। रिटेल चेन डी-मार्ट के मालिक और दिग्गज निवेशक राधाकिशन भी इन्हीं दिग्गजों में शामिल हैं। उनके पोर्टफोलियो में जोरदार गिरावट देखने को मिली है और वित्त वर्ष 23 की पहली तिमाही में उन्होंने 26,000 करोड़ रुपये गवां दिए हैं।

एक रिपोर्ट में यह बात ट्रेंडलाइन और कॉरपोरेट डेटाबेस एसीई इक्विटी के हवाले से कही गई है। उनका पोर्टफोलियो इस दौरान करीब 14 महीने टूटा है। मार्केट अध्ययन के अनुसार, 30 जून 2022 को राधाकिशन दमानी के पोर्टफोलियो की वैल्यू घटकर 1,47,534.47 करोड़ रुपये रह गई। जबकि 31 मार्च 2022 को यह 1,73,822 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि उन्हें 26,287.53 करोड़ का झटका लगा है। बता दें कि इस अध्ययन में केवल वही 14 शेयर शामिल हैं जिनमें दमानी की हिस्सेदारी 1 फीसदी से अधिक है।

भले ही पिछले कुछ दिनों से डीमार्ट (एवेन्यु सुपरमार्ट्स द्वारा संचालित) के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है लेकिन बीती तिमाही में इसमें 13 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। राधाकिशन दमानी के पास इसकी 65.2 फीसदी हिस्सेदारी है और बतौर प्रमोटर ये उनकी फ्लैगशिप कंपनी है। कंपनी के शेयर इस दौरान 3,999.45 रुपये से गिरकर 3,495 रुपये पर आ गए हैं। वहीं, राधाकिशन दमानी को इंडिया सीमेंट्स में करीब 208 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इंडिया सीमेंट्स के शेयर 25 फीसदी से ज्यादा लुढ़ककर 160 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी में दमानी की हिस्सेदारी 12.7 फीसदी है। बता दें कि डी मार्ट के शेयरों में पिछले 1 हफ्ते में तेजी देखने को मिली है। वहीं, सोमवार को इसके शेयर 2 फीसदी से अधिक ऊपर गए।

राधाकिशन दमानी को ट्रेंट में अपने इनवेस्टमेंट पर करीब 109.5 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। पहली तिमाही के दौरान ट्रेंट के शेयर करीब 15 फीसदी गिरकर 1114 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा, सुंदरम फाइनेंस, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर, युनाइटेड ब्रुवरीज, वीएसटी इंडस्ट्रीज, मंगलम ऑर्गेनिक्स, एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रॉडक्ट्स के शेयरों में 38 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है।

अकासा एयरलाइन ने लॉन्च की क्रू मेंबर की यूनिफॉर्म, ट्विटर हैंडल पर की पोस्ट की ड्रैस

मुंबई ।

शेयर बाजार के शीर्ष निवेशकों में शुमार राकेश झुनझुनवाला की अकासा एयरलाइन के अतिशीघ्र ही उड़ान भरने की संभावना है। सोमवार को अकासा ने अपने क्रू मेंबर के लिए अपना यूनिफॉर्म लॉन्च किया है। अकासा ने अपने ट्विटर हैंडल पर क्रू मेंबर के नए ड्रेस कोड को पोस्ट किया। फोटो के साथ एयरलाइन ने लिखा कि आरामदायक, पर्यावरण के अनुकूल और मजेदार। अकासा का ड्रेस दूसरे एयरलाइनों से थोड़ा हटकर है। अकासा एयर पहली भारतीय एयरलाइन है जिसने अपने एयरलाइन इन-फ्लाइट क्रू के लिए कस्टम ट्राउजर, जैकेट और आरामदायक स्नीकर्स पेश किए हैं। कंपनी से जुड़े लोगों के मुताबिक, ट्राउजर और जैकेट का कपड़ा विशेष रूप से अकासा एयर के लिए बनाया गया है। यह समुद्री कचरे से बचाई गई फालतू बोतल प्लास्टिक से बनाया गया है। इसको राजेश प्रताप सिंह ने डिजाइन किया है। क्रू मेंबर्स की मोबाइल जीवन शैली और लंबे समय तक खड़े रहने को देखते हुए, वेनिला मून ने ऐसे स्नीकर्स डिज़ाइन किए जो हल्के होते हैं। बेहतर सपोर्ट देने के लिए एड़ी से पैर तक इसमें एक्स्ट्रा कुशनिंग है। इसे बिना प्लास्टिक के इस्तेमाल के बनाया गया है। अकासा एयर के को-फाउंडर और चीफ मार्केटिंग एंड एक्सपीरियंस ऑफिसर बेल्सन कॉटिन्हो ने इस यूनिफॉर्म के पीछे की प्रेरणा को शेयर किया। उन्होंने कहा कि अकासा एयर में हम जो करते हैं उसके मूल में कर्मचारी केंद्रितता और स्थिरता है। हमने एक ऐसा यूनिफॉर्म तैयार की है जिसमें हमारी टीम गर्व और आराम दोनों महसूस कर सके। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक, अकासा जल्द ही उड़ान भरेगी। इसे एयरलाइन कोड मिल भी गया है। अकासा एयर को कमर्शियल उड़ान शुरू करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से पहले ही एनओसी मिल चुका है। अकासा एयर ने जुलाई से कमर्शियल उड़ान शुरू करने की योजना बनाई है। अकासा एयर ने पिछले हफ्ते एक ट्वीट कर एयरलाइन कोड की जानकारी देते हुए कहा, 'हमारे एयरलाइन कोड-क्यूपी की घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है।' दुनिया की हर एयरलाइन का एक कोड होता है। उदाहरण के लिए इंडिगो का कोड '6ई' है। गो फर्स्ट का 'जी8' और एयर इंडिया का 'एआई' है।

ट्विटर ने आईटी मंत्रालय के अंतिम नोटिस का अनुपालन किया पूरा

नई दिल्ली ।

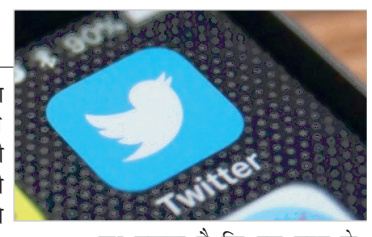

वैश्विक सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय (मेइटी) की तरफ से 27 जून को जारी अंतिम नोटिस का अनुपालन पूरा कर लिया है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने ट्विटर के लिए इसकी समयसीमा चार जुलाई तय की थी। अगर वह ऐसा नहीं कर पाती, तो मध्यवर्ती का दर्जा गंवा सकती थी। ऐसे में उसके मंच पर डाली जाने वाली सभी टिप्पणियों के लिए वह जिम्मेदार होती। एक अधिकारी ने बताया कि ट्विटर ने नोटिस का अनुपालन पूरा कर लिया है। एक अन्य आधिकारिक सूत्र ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनी से कुछ ट्वीट और ट्विटर खातों पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया था। लेकिन पूर्व में कंपनी ने इस मोर्चे पर अनुपालन को पूरा नहीं किया था। ट्विटर ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की।

सोशल मीडिया कंपनियों ने आईटी नियम के तहत नियमों के अनुपालन में चूक के लिए मुख्य अनुपालन अधिकारी (सीसीओ) को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराने के प्रावधान पर गंभीर आपत्ति जताई है। उद्योग के एक अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है। सोशल मीडिया कंपनियों का मानना है कि इस तरह के प्रावधान से उनके मंचों पर 'सेंसरशिप' बढ़ सकती है। आईटी नियम-2021 के तहत सोशल मीडिया मंचों को मुख्य अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करनी होगी। यह अधिकारी आईटी कानून के तहत नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा। द डायलॉग और आईएएमएआई के संयुक्त अध्ययन में कहा गया है कि इस प्रावधान से भारत की एक अच्छे कारोबारी गंतव्य के रूप में छवि को भी नुकसान पहुंचेगा और विदेशी निवेशक यहां आने से कतराएंगे।

अध्ययन में कुल 82 अंशधारकों का साक्षात्कार लिया गया। इनमें सोशल मीडिया कंपनियां और स्टार्टअप शामिल हैं। अध्ययन में कहा गया है किसी कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराने से 'सेंसरशिप' बढ़ेगी। कर्मचारी की सुरक्षा को खतरे के मद्देनजर कंपनियां अतिरिक्त सतर्कता बरतेंगी और इससे किसी सामग्री पर कुछ जरूरत से ज्यादा अंकुश लगाए जा सकते हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमतों में उछाल आया है हालांकि देश में अभी तेल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपये लीटर पर बना हुआ है। 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड का भाव 113.8 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। यह पिछले सप्ताह 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।

दिल्ली में मंगलवार को पेट्रोल पहले की तरह ही 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर था। वहीं मुंबई में पेट्रोल 109.27 रुपये और डीजल 95.84 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ था। चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। इसके अलावा लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

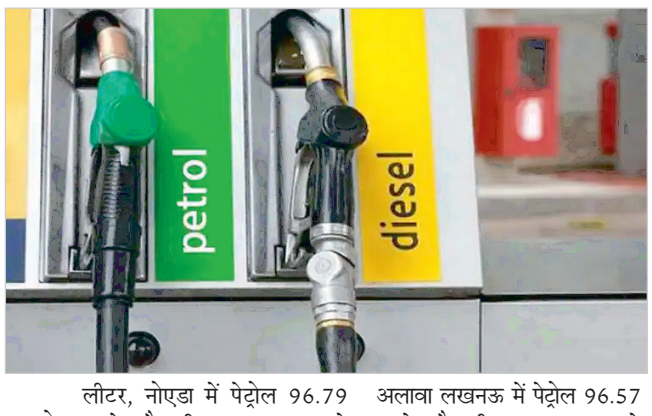

Sports

विम्बलडन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में हालेप और अमांडा में होगा मुकाबला

विंबलडन । रोमानिया की सिमोना हालेप विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। हालेप ने महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से हराया। हालेप ने बाडोसा को हराकर लगातार 11वां मैच जीतने के साथ ही पांचवीं बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। अब क्वार्टर फाइनल में हालेप का सामना अमरीका की अमांडा अनिसिमोवा से होगा। अमांडा ने एक अन्य मुकाबले में फ्रांस की हार्मोनी टेन को 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। हालेप ने इससे पहले साल 2019 में भी विम्बलडन खिताब अपने नाम किया था। पिछले साल पैर की पिंडली में चोट के कारण वह टूर्नामेंट में शामिल नहीं थीं। बाडोसा के खिलाफ मुकाबले में हालेप हावी रहीं। इस रोमानियाई खिलाड़ी ने सर्विस पर सिर्फ आठ अंक खोये और इस दौरान अपनी सर्विस पर एकमात्र ब्रेक अंक भी बचाया। हालेप ने बाडोसा की सर्विस पर भी 55 में से 30 अंक जीते। एक अन्य मुकाबले में अजला टोमलानोविच ने एलिज कोर्नेट को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। अब वह अगले दौर में एलेना रिबाकिना से खेलेंगी।

इंग्लैड ने एजबेस्टन टेस्ट में भारत को 7 विकेट से हराया

रूट और बेयरस्टो ने लगाये शतक , टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही , मैन ऑफ द मैच : बेयरस्टो

एजबेस्टन ।

अनुभवी बल्लेबाज जो रूट और जॉनी बेयरस्टो की शतकीय पारियों से मेजबान टीम इंग्लैंड ने यहां एजबेस्टन में खेले गये पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में टीम इंडिया को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम का टेस्ट सीरीज जीतने का सपना टूट गया। कोरोना संक्रमण के कारण पिछले साल पूरी नहीं हो पायी यह सीरीज पांचवें टेस्ट में भारत की हार के साथ ही 2-2 से ड्रॉ रही। इस सीरीज में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स मेजबान टीम की कप्तानी कर रहे थे जबकि भारतीय टीम की कमान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास थी। पांचवें ओर अंतिम दिन मेजबान टीम ने दूसरी पारी में जीत के लिए मिले 378 रनों के लक्ष्य को केवल तीन विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। मेजबान टीम ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक तीन विकेट पर 259 रन बनाये थे। इस प्रकार उसे अंतिम दिन जीत के लिए 119 रनों की जरूरत थी जो उसने लंच से पहले ही आसानी से बना लिए। दूसरी पारी में रूट ने नाबाद 142 जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 114 रन बनाये। * रन बनाएं।

इस प्रकार भारतीय टीम के हाथों से 15 साल बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का अवसर निकल गया। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान लोकेश राहुल टीम में नहीं थे। इससे पहले साल 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 1-0 से टेस्ट सीरीज में जीती थी। द्रविड़ अभी टीम के मुख्य कोच हैं।

इस जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम ने 145 सालों के इतिहास में 5वीं बार टेस्ट क्रिकेट में 300 या उससे अधिक का लक्ष्य हासिल किया है। भारत के खिलाफ इंग्लैंड की टीम ने अपने टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया है। इससे पहले उसने साल 2019 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 359 रन बनाकर मैच जीता था। इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपेन टेस्ट करियर का 12वां लगाया। एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में भी बेयरस्टो ने शतक लगाया था। उन्होने 106 रन बनाये थे। बेयरस्टो इंग्लैंड के केवल तीसरे खिलाड़ी हैं जो भारत के खिलाफ दोनों पारियों शतक जड़ने में सफल रहे हैं। एजबेस्टन टेस्ट में 220 रन बनाने वाले बेयरस्टो को मैन ऑफ द मैच चुना गया.

वहीं रुट ने भारत के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का 9वां शतक लगाया। एजबेस्टन टेस्ट में उन्होंने चौथी पारी में 136 गेंदों अपने टेस्ट करियर का 28वां शतक जमाया। इस मैच में भारतीय टीम ने पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद भी दूसरी पारी में खराब बल्लेबाज के कारण मैच गंवा दिया। भारत ने पहली पारी में 416 और 245 जबकि इंग्लैंड ने 284 व 378 रन बनाये।

सानिया और पाविच की जोड़ी विम्बलडन सेमीफाइनल में पहुंची

विम्बलडन ।

भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके क्रोएशियाई जोड़ीदार मेट पाविच की जोड़ी विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सानिया और पाविच ने मिश्रित युगल के कड़े मुकाबले में कनाडा के गैब्रिएला दाब्रोवस्की और ऑस्ट्रेलिया के जॉन पीयर्स की जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में 6-4 3-6 7-5 से हराया। यह मुकाबला करीब डेढ़ घंटे तक चला। अब सानिया और पाविच का सामना अगले दौर में रॉबर्ट फराह और येलेना ओस्टापेंको की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी और नील स्कुप्सी और डिजायर क्रॉविक की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से होगा। ऑल इंग्लैंड क्लब पर मिश्रित युगल में यह सानिया का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। वह इससे पहले साल 2011, 2013 और 2015 में भी क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

44 वां बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज शुरू -10 देशो के 52 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

बार्सिलोना ,स्पेन (निकलेश जैन) स्पेन में कोविड काल के बाद से पहली बार फिर से केटलन सर्किट पूरी तरह से शुरू हो चुका है और इस बार सर्किट की शुरुआत हुई है बारबेरा इंटरनेशनल शतरंज के 44 वे संस्करण से । प्रतियोगिता के ए वर्ग में 10 देशो के 52 खिलाड़ी तो बी वर्ग में 4 देशो के 116 खिलाड़ी भाग ले रहे है । प्रतियोगिता के टॉप सीड मेजबान स्पेन के ग्रांड मास्टर डेनियल लेयल अलसिना नें पहले दिन पहले टेबल पर क्यूबा के अलबर्टो पेरेज जुल को पराजित करते हुए अपने अभियान की शुरुआत की ।दूसरे टेबल पर भारत की ऋतुजा बक्शी को स्पेन के हिपोलितों असीस से हार का सामना करना पड़ा । पहले राउंड के रोचक परिणामों में भारत के वेदान्त पिम्पलखरे नें चौथे सीड मेजबान स्पेन के ग्रांड मास्टर पेना मेनुयल गोमेज को ड्रॉ पर रोका तो नौवे सीड क्यूबा के ग्रांड मास्टर मुनोज मिगुल को भारत के सुदर्शन भट्ट नें आधा अंक बांटने पर मजबूर कर दिया । 16वे वरीय भारत के फीडे मास्टर सौरभ खरडेकर को हमवतन विश्वा शाह से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा । प्रतियोगिता कुल 9 राउंड में स्विस फॉर्मेट के आधार पर खेली जा रही है जो 12 जुलाई तक खेली जाएगी ।

विश्व क्रिकेट में पहली बार पुरुष और महिला क्रिकेटरों को मिलेगी समान मैच फीस

न्यूजीलैंड क्रिकेट और खिलाड़ी संघ के बीच हुआ पांच साल का करार

क्राइस्टचर्च ।

न्यूजीलैंड में अब महिला और पुरुष क्रिकेटरों को समान वेतन मिलेगा। न्यूजीलैंड पहला देश है जिसमें ये नियम लागू होने जा रहा है। इससे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) और खिलाड़ी संघ के बीच पांच साल का एक करार हुआ। इस करार के बाद ही एतिहासिक करार के बाद विश्व क्रिकेट में पहली बार देश की पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में समान मैच फीस मिलेगी। वहीं एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड वाइट ने अपने एक बयान में कहा, 'मैं इस तरह के अहम समझौते पर पहुंचने के लिए खिलाड़ियों और बड़े संघों को धन्यवाद और बधाई देता हूं।' उन्होंने कहा, 'यह हमारे खेल का सबसे अहम करार है जो एनजेडसी, बड़े संघों और हमारे खिलाड़ियों के लिए बाध्यकारी होने के साथ ही प्रगति और विकास का प्रतीक बनेगा।' गौरतलब है कि एनजेडसी छह बड़े संघों और न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के बीच एतिहासिक करार के तहत न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम और घरेलू महिला खिलाड़ियों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में पुरुषों के समान ही मैच फीस मिलेगी। इससे साफ है कि शीर्ष रैंकिंग वाली महिला क्रिकेटरों को साल में अधिकतम एक लाख 63 हजार 246 न्यूजीलैंड डॉलर (83 हजार 432 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर), नौवें रैंकिंग की खिलाड़ी को एक लाख 48 हजार 946 न्यूजीलैंड डॉलर (66 हजार 266 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) और 17वें नंबर की खिलाड़ी को एक लाख 42 हजार 346 न्यूजीलैंड डॉलर (62 हजार 833 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) तक मिलेंगे।' वहीं प्रत्येक बड़े संघ की शीर्ष रैंकिंग वाली महिला घरेलू खिलाड़ियों को अधिकतम 19 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर), छठी रैंकिंग की खिलाड़ी को 18 हजार 646 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) और 12वें नंबर की खिलाड़ी को 18 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) तक मिलेंगे।'

इस करार के तहत घरेलू अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या 54 से बढ़कर 72 होगी जबकि पुरुष खिलाड़ियों को अधिक मैच खेलने और ट्रेनिंग के साथ ही खेलने में अधिक समय बिताने के लिए अधिक रिटेनर राशि मिलेगी। इसको लेकर महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'यह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू महिला खिलाड़ियों के लिए अच्छा है कि उन्हें पुरुषों के समान मान्यता मिल रही है।'

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट गेंदों को खेलने में नाकाम रहे बल्लेबाज : राठौड़

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा है कि भारतीय बल्लेबाज शॉर्ट गेंदों को खेलने में विफल रहे जिससे हाथ में आया हुआ मैच फिसल गया। इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में बल्लेबाजी के दौरान विफल रही। राठौड़ ने कहा, 'मैं सहमत हूं कि जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है तो हमारे लिए चौथा दिन साधारण दिन रहा। हम आगे चल रहे थे, हम ऐसी स्थिति में थे कि अपनी बल्लेबाजी से मेजबान टीम को मुकाबले से बाहर कर सकते थे पर ऐसा हो नहीं पाया। कई बल्लेबाजों ने हालांकि प्रयास किये पर वह अपनी पारी को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा पाये।' उन्होंने कहा, भारतीय बल्लेबाजों को खराब शॉट खेलने का नुकसान उठाना पड़ा। कई बल्लेबाज शॉर्ट गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते हुए दिखे। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर बाउंसर पर आउट हुए। राठौड़ ने कहा, 'हां, उन्होंने हमारे खिलाफ शॉर्ट गेंदबाजी करने की रणनीति बनाई। हमें थोड़ी अच्छ रणनीति अपनाने की जरूरत थी। हम इससे थोड़े अलग तरीके से निपट सकते थे। खिलाड़ियों ने शॉट खेलने का प्रयास किया पर वह सही तरीका नहीं अपना पाये।' गौरतलब है कि इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में भी भारतीय टीम इसी तरह की स्थिति में थी जहां उन्होंने पहली पारी में छोटी बढ़त हासिल की थी परदूसरी पारी में शॉर्ट गेंदबाजी का सामना करने में बल्लेबाज विफल रहे जिससे टीम हार गयी।

बुमराह को कप्तानी सौंपना साहसी निर्णय : इयान चैपल

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाकर भारतीय बोर्ड ने साहसिक कदम उठाया। चैपल ने यह भी कहा कि कप्तान के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स की सफलता को देखकर भी बीसीसीआई ने बुमराह को कप्तान बनाया होगा। चैपल ने कहा कि कप्तान ने रुप में स्टोक्स की सफलता से किसी को भी हैरान नहीं होना चाहिए क्योंकि वह गेंदबाजी को समझते हैं। यही बात कमिंस के साथ है। चैपल ने कहा, 'भारत ने शायद कप्तान के तौर पर कमिंस और स्टोक्स की सफलता से प्रेरित होकर ही बुमराह को कप्तान नियुक्त किया होगा। उन्होंने कहा, 'कप्तान के रूप में स्टोक्स की सफलता से किसी को भी हैरान नहीं होना चाहिए। वह एक ऑलराउंडर है जो गेंदबाजी को समझते हैं। मैदान पर उनकी प्राथमिकता विकेट लेना है। इसके साथ ही वह इंग्लैंड के सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ी भी हैं।' वहीं कमिंस को लेकर कहा कि स्टोक्स की तरह ही किसी को भी कमिंस की सफलता से हैरत में नहीं पड़ना चाहिये। उनके पास अलग-अलग प्रकार के अच्छे गेंदबाज हैं जिनका वह जरुरत के अनुसार इस्तेमाल करते हैं।

भारतीय बल्लेबाजों के रक्षात्मक रवैये से हावी हुई इंग्लैंड : शास्त्री

बर्मिंघम ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में बल्लेबाजों के रक्षात्मक रवैये से ही मेजबान टीम को हावी होने का अवसर मिला। इस मैच में कमेंट्री कर रहे शास्त्री ने कहा कि यह निराशाजनक था, क्योंकि भारतीय बल्लेबाज अगर आक्रामक रुख रखते तो मैच अपने कब्जे में रख सकते थे। शास्त्री कहा, 'भारतीय टीम को दो सत्र बल्लेबाजी करने की जरूरत थी और मुझे लगता है कि वे रक्षात्मक हो गये थे। इसके साथ ही वे डरे हुए भी थे। विशेषकर लंच के बाद।' विकेट खोने के बाद भी वे खतरा उठा सकते थे। खेल में उस समय रन बनने जरुरी थे पर भारतीय बल्लेबाज रक्षात्मक हो गए। भारतीय टीम ने विकेट काफी जल्दी-जल्दी गंवाए और इंग्लैंड को बल्लेबाजी का पर्याप्त समय मिल गया। शास्त्री पिछले साल भारतीय टीम के मुख्य कोच थे तब टीम ने सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की पर पर कोरोना संक्रमण के कारण अंतिम टेस्ट नहीं हो पाया था। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह पर रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्ररक्षकों को रक्षात्मक तरीके से सजाकर बल्लेबाजों के लिए स्ट्राइक रोटेट करना आसान कर दिया।

पीटरसन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बुमराह की रणनीति बिलकुल भी सही थी। गेंद के रिवर्स स्विंग होने के बावजूद उसने बल्लेबाजों का काम आसान कर दिया, क्योंकि बल्लेबाजों को यह समझने में मुश्किल हो रही थी कि गेंद किस ओर स्विंग करेगी।

बल्लेबाज आक्रमण रुख अपनाये तो धैर्य रखें गेंदबाज : सिराज

बर्मिंघम . भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि जब बल्लेबाज आक्रामक रुख के साथ बल्लेबाजी कर रहा हो तो गेंदबाजों को उस समय धैर्य रखना चाहिये। सिराज ने कहा कि इसी कारण वह इंग्लैंड के बल्लेबाज जानी बेयरस्टो की बल्लेबाजी के दौरान परेशान नहीं थे।बेयरस्टो ने पहली पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को संभाला था। उनके शतक की सहायता से ही इंग्लैंड ने भारत के 416 रन के जवाब में पहली पारी में 284 रन बनाए थे। बेयरस्टो ने धीमी शुरुआत के बाद आक्रामक रुख अपनाया और अपनी पारी में 14 चौके और दो छक्के लगाये। सिराज ने कहा कि मैच के दौरान बेयरस्टो के आक्रामक रुख के बाद भी भारतीय खिलाड़ी परेशान नहीं थे। सिराज ने कहा, ''गेंदबाज के रूप में हमें सिर्फ धैर्य रखना होता है। बेयरस्टो फॉर्म में है और न्यूजीलैंड श्रृंखला से ही वह लगातार आक्रामक बल्लेबाजी कर रहें हैं । इसलिए हमें पता था कि उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए हमारी योजना यही रही कि अपनी मूल बातों पर बने रहें। हमें अपनी क्षमता पर विश्वास रखना होगा, फिर चाहे वह कुछ भी।

चीन में कोरोना संक्रमण के कारण विश्व हाफ मैराथन रद्द

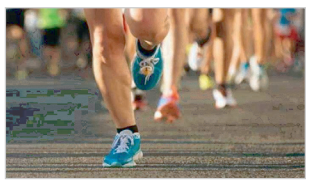

मोनाको । कोरोना संक्रमण के कारण चीन में होने वाली विश्व हाफ मैराथन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप को रद्द कर दिया गया है। विश्व एथलेटिक्स की संचालन संस्था के अध्यक्ष सबेस्टियन ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण चीन रेस का आयोजन नहीं कर पाएगा। साथ ही कहा कि नवंबर में यांगझू में प्रतियोगिता का आयोजन नहीं हो पाने में चीन के स्थानीय आयोजकों की कोई गलती नहीं मानी जाएगी और इसकी जगह शहर को 2027 में विश्व रोड रनिंग चैंपियनशिप की मेजबानी दी जाती है। अध्यक्ष ने साथ ही कहा, '' विश्व एथलेटिक्स का साल 2027 में यांगझू को एक अन्य प्रतियोगिता की मेजबानी देने का फैसला आयोजन समिति पर उसके भरोसे और पहले उपलब्ध अवसर के आधार पर किया गया है।''चीन में संक्रमण बढ़ने के कारण अभी विदेशियों के आने पर कई प्रकार की पाबंदियां हैं।

महिला वनडे रैंकिंग : मंधाना आठवें स्थान पर पहुंची, शेफाली भी आगे बढ़ी

दुबई।

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को यहां जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय रैंकिंग की बल्लेबाजी सूची में एक स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गई। मंधाना ने सोमवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारत की 10 विकेट की जीत के दौरान 83 गेंद में नाबाद 94 रन की पारी खेली। वह बल्लेबाजी सूची में शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली शीर्ष पर चल रही हैं जबकि इंग्लैंड की नताली स्किवर दूसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। इन दोनों ने पालेकल में श्रीलंका के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की आईसीसी महिला चैंपियनशिप श्रृंखला (आईडब्ल्यूसी) में भारत को 2-0 की बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने 25 रन पर तीन विकेट चटकाने के अलावा नाबाद 22 रन बनाए जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से 29वें स्थान पर हैं जबकि गेंदबाजों की सूची में भी तीन स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर पहुंच गई हैं। ऑलराउंडरों की सूची में दीप्ति को 20 रेटिंग अंक मिले और वह छठे स्थान पर मौजूद आस्ट्रेलिया की एशलेग गार्डनर से सिर्फ एक अंक पीछे है। दूसरे मैच में नाबाद 71 रन सहित श्रृंखला में 106 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर शेफाली बल्लेबाजों की सूची में 12 स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों की सूची में पूजा वस्त्रकार (तीन स्थान के फायदे से 61वें स्थान), राजेश्वरी गायकवाड़ (चार स्थान के फायदे से 93वें स्थान) और मेघना सिंह (सात स्थान के फायदे से 100वें स्थान) को भी फायदा हुआ है। इन सभी को गेंदबाजों की सूची में भी फायदा हुआ है। राजेश्वरी 12वें से 11वें, मेघना 58वें से 47वें और पूजा 57वें से 50वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सात विकेट चटकाने के बाद तेज गेंदबाज रेणुका सिंह 38 स्थान की लंबी छलांग के साथ 65वें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका की निलाक्षी डि सिल्वा बल्लेबाजों की सूची में 13 स्थान आगे बढ़कर 57वें पायदान पर हैं। उन्होंने दो मैच में 75 रन बनाए। हसिनी परेरा (16 स्थान के फायदे से 83वें स्थान पर) और अनुष्का संजीवनी (नौ स्थान के फायदे से 89वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

एजबेस्टन टेस्ट में भारतीय प्रशंसकों पर नस्लीय टिप्पणियों की जांच करेंगे : ईसीबी

लंदन ।

भारत और इंग्लैंड के बीच यहां खेले जा रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में नस्लवाद का मामला फिर सामने आया है। कुछ प्रशंसकों ने आरोप लगाया है कि मैच के दौरान भारतीय प्रशंसकों पर मेजबान टीम के प्रशंसकों की ओर से नस्लीय टिप्पणियां की गयीं। एक यूजर ने सोशल मीडिया पर बताया है कि एरिक हॉलीज स्टैंड में भारतीय प्रशंसकों के साथ भेदभाव हुआ। वहीं दूसरे यूजर्स ने कहा है कि बताया है कि मुकाबले के दौरान उन्हें खराब टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है जबकि पहले कभी भी ऐसा नहीं हुआ था। वहीं इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि इस मामले में जांच की जाएगी। इस प्रकार के खराब व्यवहार के लिए एजबेस्टन के अधिकारियों ने माफी मांगी है साथ ही कहा है कि इस मामले के दोषियों को सजा दी जाएगी। स्टेडियम के अधिकारियों ने अपने एक बयान में कहा, 'हमें यह पढ़कर बहुत खेद है और हम इस तरह के व्यवहार की कड़ी आलोचना करते हैं।' इसके अलावा ईसीबी ने भी इस मामले में अपना बयान दिया है, 'इसमें कहा गया है कि हम आज के मुकाबले में नस्लवादी दुर्व्यवहार की रिपोर्ट सुनकर परेशान हुए हैं।' साथ ही कहा, 'हम एजबेस्टन के अधिकारियों के संपर्क में हैं, जो इस मामले की पूरी जांच करेंगे। खेल में नस्लवाद की कोई जगह नहीं है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है। अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है

यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस प्रेक्याइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।

वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।

मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10, 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं। एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।

एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख बाजवा का फरमान- राजनीति से दूर रहें ISI और सैन्य अधिकारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने ISI समेत अपने कमांडरों और अधिकारियों को राजनीति से दूर रहने का नया निर्देश जारी किया है। मीडिया में आई एक खबर में यह बात कही गई। खबर में कहा गया कि बाजवा का निर्देश

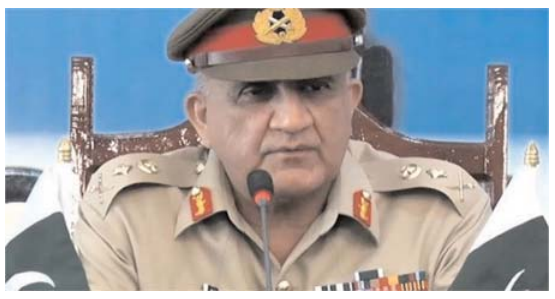

अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पार्टी के नेताओं के इन आरोपों के बाद आया है कि देश की खुफिया एजेंसी पंजाब में आगामी उपचुनाव में ''हेरफेर'' करने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने पहले कहा था कि उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और वह भविष्य में भी गैर-राजनीतिक ही रहेगी।

द न्यूज अखबार ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने अपने सभी कमांडरों और प्रमुख अधिकारियों को राजनीति से दूर रहने तथा राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत से बचने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। खबर में कहा गया है कि ये निर्देश इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ दुष्प्रचार के मद्देनजर दिए गए हैं, जिसमें ढ्ढस्ढ्ढ के कुछ अधिकारियों पर आरोप लगाया गया है कि वे पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए पंजाब में आगामी उपचुनाव में हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं।रक्षा सूत्रों का कहना है कि ढ्ढस्ढ्ढ सेक्टर कमांडर-लाहौर, ब्रिगेडियर राशिद, जिन्हें पीटीआई नेताओं द्वारा बदनाम किया जा रहा है, इस्लामाबाद में अपने कुछ पेशेवर काम की वजह से एक पखवाड़े से अधिक समय से लाहौर में नहीं हैं। पीटीआई नेता और पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री यास्मीन राशिद ने हाल ही में सेक्टर कमांडर का नाम लिया था और उन पर पंजाब में उपचुनाव में हेरफेर करने के लिए राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया था। पंजाब विधानसभा की 20 रिक्त सीटों पर 17 जुलाई को उपचुनाव होगा।

चीन ने कनाडाई उद्योगपति के खिलाफ मुकद्दमें में शामिल होने की नहीं दी अनुमति

बीजिंग। चीन के अधिकारियों ने कनाडा के राजनयिकों को पांच साल पहले हांगकांग से गायब हुए एक चीनी मूल के कनाडाई उद्योगपति के खिलाफ चलाए जा रहे मुकदमे में शामिल होने की

अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कनाडा की सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शियाओ जियान्हुआ को आखिरी बार जनवरी 2017 में हांगकांग के एक होटल में देखा गया था और माना जाता है कि उन्हें चीन के अधिकारियों द्वारा चीन ले जाया गया था। हालांकि, सरकार ने कभी इस बात की पुष्टि नहीं की कि उन्हें हिरासत में लिया गया था या उन पर क्या आरोप लगाए गए हैं। कनाडा की सरकार ने कहा कि पहले शियाओ पर सुनवाई होनी थी, लेकिन इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई कि सुनवाई हुई या कहां हुई। उन पर लगे आरोपों की भी कोई जानकारी नहीं दी गई। कनाडा की सरकार ने एक बयान में कहा, '' कनाडा ने सुनवाई में शामिल होने के लिए कई अनुरोध किए। चीनी अधिकारियों ने हमें सुनवाई में शामिल होने की अनुमति नहीं दी।'

सिंगापुर के राष्ट्रपति, संसद अध्यक्ष और मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

सिंगापुर। सिंगापुर की राष्ट्रपति हलीमा याकूब, संसद के अध्यक्ष तान चुआन-जिन और मंत्री एडविन टोंग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। हलीमा (67) ने सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा, ''हल्के फ्लू जैसे लक्षण हैं। अभी-अभी जांच में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। शुक्र है, मैंने टीके की सभी खुराक और बूस्टर डोज लिए थे। मैं जल्द ही ठीक होने की उम्मीद करती हूं और मुझे खेद है कि इस सप्ताह के कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाऊंगी।

ड्रग एडिक्ट हैं इमरान खान : मंत्री बोले- कोकीन के बगैर वो 2 घंटे नहीं रह सकते, हमें मालूम है उनके घर नशा कौन पहुंचाता है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब के होम मिनिस्टर अता तराड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। तरार ने कहा- इमरान खान शुरू से ड्रग एडिक्ट रहे हैं। सरकार जानती है कि उनके आलीशान घर बनीगाला तक ड्रग्स कौन पहुंचाता है। चरस और कोकीन के बिना तो इमरान 2 घंटे नहीं रह सकते।

ये पहली बार नहीं है जब इमरान पर ड्रग एडिक्ट होने के आरोप लगे हों। 2020 में इमरान के करीबी दोस्त और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सरफराज नवाज ने खुलेआम टीवी पर यही आरोप लगाए थे। बाद में इमरान की दूसरी तलाकशुदा पत्नी रेहम ने भी खान को नशे का आदी बताया था।

खान को गिरफ्तार नहीं करना चाहते

लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अता ने कहा- ड्रग्स लेने के आरोप में हम इमरान को किसी भी वक्त गिरफ्तार कर सकते हैं, लेकिन ये करना नहीं चाहते। वो जेल में बिना नशा किए कैसे रह पाएंगे। हमें पता है कि सैकड़ों एकड़ में फैले उनके आलीशान घर बनीगाला तक ड्रग्स कौन पहुंचाता है। हम उनकी लत के बारे में बात क्यों नहीं करते। चरस वो तब से इस्तेमाल कर रहे हैं, जब वो क्रिकेटर थे। इमरान जेल इसलिए नहीं जाना चाहते, क्योंकि वो जानते हैं कि हम उन्हें जेल में कोकीन नहीं देंगे। फिलहाल, तो हम उनके अरबों रुपए के करप्शन की जांच कर रहे हैं। सरफराज नवाज के साथ इमरान खान। एक वक्त दोनों पाकिस्तान की फास्ट बॉलिंग संभालते थे। सरफराज को कई जानकार रिवर्स स्विंग का जनक मानते हैं। सरफराज नवाज के साथ इमरान खान। एक वक्त दोनों पाकिस्तान की फास्ट बॉलिंग संभालते थे। सरफराज को कई

जानकार रिवर्स स्विंग का जनक मानते हैं। (फाइल)

बुशरा और फराह को नहीं छोड़ेंगे

अता के साथ इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में लॉ मिनिस्टर मलिक मोहम्मद अहमद खान भी मौजूद थे। मलिक ने कहा- इमरान की पत्नी बुशरा बीबी और उनकी फरार हो चुकी दोस्त फराह खान ने अरबों रुपए का करप्शन किया। 60 करोड़ रुपए की जमीन 8 करोड़ में खरीद ली गई, वो भी उस इलाके में जहां जमीन खरीदी ही नहीं जा सकती। इसकी जांच चल रही है।

मलिक ने कहा- अगर बुशरा घरेलू महिला थीं तो अब उनका सियासी ऑडियो वायरल क्यों हो रहा है। उसमें वो हमारे जैसे तमाम नेताओं को गद्दार करार दे रही हैं। जब इमरान का करप्शन सामने आने लगे, सरकार गिरने वाली थी, तब उन्होंने विदेशी साजिश का नाटक रचना शुरू कर दिया।

इमरान की नशाखोरी के दो गवाह

सरफराज नवाज :पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज और इमरान की करीबी दोस्त रह चुके हैं। कई लोग उन्हें रिवर्स स्विंग का जनक भी मानते हैं। 2020 में सरफराज ने टीवी इंटरव्यू में कहा था- 1987 में इमरान अच्छी बॉलिंग नहीं कर पा रहे थे। एक दिन इमरान, सलीम मलिक, मोहसिन खान और अब्दुल कादिर मेरे घर आए। इमरान ने वहां कोकीन ली। वो बहुत पहले से ड्रग्स लेता आया है। इसमें कोई नई बात नहीं है।

रेहम खान: इमरान खान की दूसरी पत्नी थीं। BBC में एंकर रह चुकी हैं। इमरान से शादी एक साल भी नहीं चली थी।

रेहम ने अपनी किताब में इमरान को साफ तौर पर ड्रग एडिक्ट और समलैंगिक बताया था। खास बात यह है कि रेहम का तो इमरान कुछ नहीं बिगाड़ सके, लेकिन टीवी शो में रेहम की किताब का जिक्र करने वाले पत्रकारों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

श्रीलंका में बिगड़े हालात:लोग बच्चों को दोपहर 12 बजे तक सुला रहे, ताकि नाश्ता न देना पड़े; 5 गुना दाम पर बिक रहा पेट्रोल

कोलंबो। श्रीलंका में पिछले 12 हफ्ते से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी हैं। महंगाई, बेरोजगारी और ईंधन की बेहद कमी से लोग त्रस्त हैं। कोलंबो के ऑटो रिक्शा चालक थुशान परेरा ने करीब 5 हफ्ते से अपने तीन बच्चों को दोनों टाइम पूरा खाना नहीं खिलाया है। उनका परिवार बिस्किट के एक पैकेट पर निर्भर है, जिसकी कीमत 130 श्रीलंकाई रुपए (भारतीय मुद्रा में 30 रु.) पहुंच गई है।

परेरा बताते हैं कि हम कोशिश करते हैं कि हमारे बच्चे दोपहर के 12 बजे तक सोते रहें, ताकि उन्हें सुबह का नाश्ता न कराना पड़े। दो दिन कतार में खड़े रहने पर 5 लीटर पेट्रोल मिलता है। सरकार पल्ला झाड़ चुकी है कि 22 जुलाई तक फ्यूल नहीं आएगा। 103 रुपए लीटर वाला पेट्रोल ब्लैक में 550 रुपए में बिक रहा है।

श्रीलंका की 2.2 करोड़ की आबादी में परेरा जैसे कई लोग हैं जिनमें सरकार के खिलाफ बेहद रोष है। शिक्षण संस्थान बंद हैं। कई-कई घंटों तक बिजली कटौती रहती है। इससे पहले भारत से

ईंधन और भोजन के लिए दो दिन तक लाइन लगानी पड़ रही

मई में महंगाई 39.1% थी, जो जून में बढ़कर 54.6% हो गई

कर्ज के तौर पर मिले करीब 6 हजार करोड़ रुपए भी अब खत्म हो चुके हैं। श्रीलंका ने मिडिल ईस्ट से लेकर रूस से मदद की गुहार लगाई है।

पेट्रोल पंप की सुरक्षा सेना के हवाले, जगह-जगह झड़पें

लोगों में हताशा है। आम लोगों की रोज पुलिस, आर्मी और एयरफोर्स के साथ झड़पें हो रही हैं, क्योंकि यहीं पेट्रोल पंप की निगरानी कर रहे हैं। समाज में उग्रता अप्रत्याशित तौर पर बढ़ी है, जो दंगों के रूप में उभर जाती है। स्कूल-कॉलेज, अस्पताल बंद पड़े हैं। लिहाजा युवक घर पर अपने परिवार को बेबस जूझते हुए देखने पर मजबूर हैं।

इस हफ्ते 1990 सुवा सिरिया, एक इमरजेंसी एम्बुलेंस सेवा, जिसे भारत ने दान में दिया था, वो भी ठप पड़ गई है। यानी आपातकालीन सेवाएं भी उपलब्ध नहीं है। सरकार के खिलाफ विद्रोह हर दिन बीतने के साथ बढ़ रहा है। ऑटो रिक्शा चालक अरुणा अल्विस बताते हैं कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के घर को हम तब तक घेर कर रखेंगे, जब तक कि इस परिस्थिति में सुधार न हो जाए।

सबसे ज्यादा बेशर्मी हमें नेताओं में देखने को मिल रही है कि जो जनता के लिए कभी कुछ करते तो नहीं हैं, लेकिन उनके लिए ईंधन और भोजन आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। दूसरी तरफ, आम लोगों को दो-दो दिन तक लगातार दिन-रात कतारों में खड़े होकर अपने हिस्से की जरूरी चीजों का इंतजाम कर रहे हैं। जन आंदोलन से ही हालात सुधर सकते हैं।

चीन में क्रेन डूबने से 27 लापता लोगों में से 12 के शव बरामद

बीजिंग। चीन में 12 शव बरामद किए गए जो उन लोगों के माने जा रहे हैं जिन्हें तैरती क्रेन के डूबने के बाद से लापता बताया जा रहा था। प्रांतीय समुद्री तलाशी एवं बचाव केंद्र ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह क्रेन चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के अपतटीय क्षेत्र में डूब गई थी।

अपतटीय पवन-खेत परियोजना की तैरती क्रेन को निगरानी प्रणाली के माध्यम से खतरे में पाया गया था, क्योंकि इसकी मूरिंग चेन टूट गई थी। बाद में क्रेन हांगकांग से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में डूब गई, जिससे 27 लोग लापता हो गए।चालक दल के तीन सदस्यों को शनिवार को बचा लिया गया। हांगकांग से मिली खबरों में कहा गया है कि लापता चालक दल के सदस्यों की तलाश कर रहे बचाव दल ने चौथे व्यक्ति को बचाया। बचाव केंद्र ने कहा कि 12 शव उस जगह से लगभग 50 समुद्री मील दक्षिण पश्चिम में बरामद किए गए, जहां तैरती क्रेन डूब गई थी। शव उस क्षेत्र से लगभग 90 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में पाए गए, जहां जहाज फुजिंग 001 डूबा था।अधिकारी शवों की शिनाख्त करने का प्रयास कर रहे हैं। चालक दल के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है। सरकारी समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार शेष लापता लोगों की तलाश के लिए कुल सात विमानों, 246 जहाजों और मछली पकड़ने वाली 498 नौकाओं को लगाया गया है। साल के तीसरे तूफान 'चाबा' ने शनिवार को ग्वांगडोंग के माओमिंग शहर के तटीय इलाके में दस्तक दी। वर्ष के चौथे चक्रवाती तूफान ऐरे के सप्ताहांत पूर्वी चीन सागर के पास पहुंचने का अनुमान है।

चीन ने कनाडाई उद्योगपति के खिलाफ मुकद्दमें में शामिल होने की नहीं दी अनुमति

बीजिंग। चीन के अधिकारियों ने कनाडा के राजनयिकों को पांच साल पहले हांगकांग से गायब हुए एक चीनी मूल के कनाडाई उद्योगपति के खिलाफ चलाए जा रहे मुकदमे में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कनाडा की सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शियाओ जियान्हुआ को आखिरी बार जनवरी 2017 में हांगकांग के एक होटल में देखा गया था और माना जाता है कि उन्हें चीन के अधिकारियों द्वारा चीन ले जाया गया था। हालांकि, सरकार ने कभी इस बात की पुष्टि नहीं की कि उन्हें हिरासत में लिया गया था या उन पर क्या आरोप लगाए गए हैं। कनाडा की सरकार ने कहा कि पहले शियाओ पर सोमवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई कि सुनवाई हुई या कहां हुई। उन पर लगे आरोपों की भी कोई जानकारी नहीं दी गई। कनाडा की सरकार ने एक बयान में कहा, '' कनाडा ने सुनवाई में शामिल होने के लिए कई अनुरोध किए।

विवादित द्वीप में घुसपैठ कर रहे चीन और रूस के युद्धपोत, जापान ने जताया कड़ा विरोध

टोक्यो: जापान ने विवादित पूर्वी चीन सागर में अपने जलक्षेत्र के बिल्कुल निकट चीन और रूस के युद्धपोत दिखाई देने के बाद कड़ा विरोध प्रकट किया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सेनकाकू द्वीप के पास जापानी जलक्षेत्र के बिल्कुल निकट 'विवादित क्षेत्र' में सोमवार सुबह कई मिनट तक चीन के युद्धपोत को देखा गया। सेनकाकू द्वीप पर चीन भी अपना दावा जताता है और इसे दियाओयू कहता है। मंत्रालय ने कहा कि पहले सागर में रूसी युद्धपोत देखा गया, जिसके 40 मिनट बाद चीनी युद्धपोत की मौजूदगी की पुष्टि हुई। हालांकि, तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो

पाया है कि इलाके में चीनी-रूसी सैन्य गतिविधि का क्या उद्देश्य था। जापान के रक्षा अधिकारियों ने कहा कि हो सकता है कि तूफान से बचने के लिए पोत वहां आए हों। उप मुख्य कैबिनेट सचिव सेजी किहारा ने कहा कि जापान ने घटना को लेकर चीन के समक्ष 'कड़ी आपत्ति' दर्ज कराई है। किहारा ने कहा, 'सेनकाकू द्वीप ऐतिहासिक रूप से और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जापान के क्षेत्र का एक अंतर्निहित हिस्सा है।

सरकार जापानी भूमि, जलक्षेत्र और वायु क्षेत्र की रक्षा के लिए इस मामले से शांतिपूर्वक लेकिन दृढ़ तरीके से निपटेगी।' उन्होंने कहा कि जलक्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। वहीं, बीजिंग में चीन ने युद्धपोत के प्रवेश को जायज ठहराते हुए जापान के विरोध की आलोचना की। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि यह द्वीप चीन का क्षेत्र है। उन्होंने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'सागर में चीनी पोतों की गतिविधियां कानूनी और जायज हैं। जापान को ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का कोई अधिकार नहीं है।'

अमेरिका की फ्रीडम डे परेड में फायरिंग: हमले में 6 की मौत, 31 घायल, 22 साल का संदिग्ध अरेस्ट, बोला- म्यूजिशियन हूं

शिकागो। अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस पर शिकागो में फ्रीडम डे परेड के दौरान गोलीबारी मामले में 22 साल के संदिग्ध रॉबर्ट ई क्रीमो III को गिरफ्तार किया गया है। क्रीमो एक रैपर है, वह हमला करने के बाद भागने की फिराक में था। पुलिस ने शिकागो हाईवे पर लंबी दूरी तक पीछ्कर रॉबर्ट को गिरफ्तार किया। जिसके बाद उसने खुद को म्यूजिशियन बताया। कल इलेनॉय राज्य के हाईलैंड पार्क की घटना में 6 लोगों की मारे गए थे, जबकि 31 घायल हो गए थे। परेड सुबह 10 बजे शुरू हुई थी, लेकिन फायरिंग होने के 10 मिनट बाद ही रोक दी गई। इसे देखने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे। पुलिस ने स्थानीय लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा है। पुलिस के मुताबिक, हमलावर ने एक स्टोर की छत से अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इलाके की घेराबंदी कर हमलावर की तलाश की जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी इस घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा- मैं इस निर्मम हिंसा से स्तब्ध हूं।

18 से 20 साल का है हमलावर

हाईलैंड पार्क के सिक्योरिटी चीफ क्रिस ओ' नील ने बताया कि पुलिस संदिग्ध हमलावर की तलाश कर रही है। नील के मुताबिक, हमलावर 18 से 20

साल का एक युवक है। उसका रंग गोरा है और बाल लंबे हैं। वह सफेद या नीले रंग की टी-शर्ट पहने हुए है। घटनास्थल से पुलिस ने एक गन रिकवर की है। लोगों को घर के अंदर रहने को कहा गया है।

हमले में बड़े हथियार के इस्तेमाल की आशंका

शिकागो सन-टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, घटनास्थल पर एक शख्स जमीन पर पड़ा था। उसका शरीर कंबल से ढका हुआ था। वहीं, करीब 5-6 लोग खून से लथपथ जमीन पर पड़े हैं। एक स्थानीय निवासी माइल्स जरेम्स्की ने बताया- मुझे 20 से 25 शॉट सुनाई, जो एक के बाद एक लगातार हो रहे थे। इसलिए यह केवल एक हैंडगन या शॉटगन नहीं हो सकता था। पिछले साल भी फ्रीडम डे पर फायरिंग की घटना हुई थी, उसमें 19 जानें गई थीं।

लोग चिल्ला रहे थे- कोई शूटर है..कोई शूटर है...

हाईलैंड पार्क में रहने वाले एक प्रत्यक्षदर्शी डेबी ग्लिकमैन ने बताया- वे अपने साथियों के साथ परेड फ्लोट पर मौजूद थीं। उन्होंने अचानक लोगों के चीखने की आवाज सुनी। लोग बदहवास अपनी जान बचाकर भाग रहे थे। वे कह रहे थे- यहां से भागो..कोई शूटर है..कोई शूटर है... गोलियां बरसा रहा है। हालांकि, मैंने किसी भी घायल को नहीं देखा, लेकिन लोगों का डर दुखद था।

हमलावर को पकड़ने के लिए FBI की मदद

FBI शिकागो के एक प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस टीम घटनास्थल पर तैनात कर दी गई है। हम अभी हमलावर को पकड़ नहीं पाए हैं, लेकिन हम जल्द ही अपराधी को पकड़ लेंगे। डॉग स्क्वाड की टीम भी पहुंच गई है और हमलावर को पकड़ने के लिए पुलिस जुट गई है।

अमेरिका में क्यों नहीं लग पाती गन कल्चर पर लगाम

अमेरिका 230 साल बाद भी अपने गन कल्चर को नहीं खत्म कर पाया है। इसकी दो प्रमुख वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। थियोडेर रूजवेल्ट से लेकर फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट, जिमी कार्टर, जॉर्ज बुश सीनियर, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और डोनाल्ड ट्रंप तक कई अमेरिकी राष्ट्रपति गन कल्चर की तरफदारी करते रहे हैं।

गैलप की 2020 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी के 91त्न सदस्य सख्त गन लॉ बनाने के पक्ष में थे, तो वहीं रिपलब्किन पार्टी के 24त्न लोग ही इसके पक्ष में थे। जो बाइडेन डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रंप रिपलब्किन से हैं।

दूसरी वजह गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी भी इस कल्चर के बने रहने की प्रमुख वजह है। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं।

नेशनल राइफल एसोसिएशन यानी ह्रञ्छ अमेरिका में सबसे ताकतवर गन लॉबी है, जो वहां संसद सदस्यों को प्रभावित करने के लिए जमकर पैसा खर्च करती है। ये ताकतवर लॉबी गन कल्चर को खत्म करने के लिए प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन में बदलावों का विरोध करती रही है।

अमेरिका के कई चुनावों में वहां की गन समर्थक लॉबी, गन पर बैन लगाने की मांग वाली लॉबी की तुलना में ज्यादा पैसा खर्च करती रही है। 2020 में गन समर्थक लॉबी ने करीब 3.2 करोड़ डॉलर खर्च किए थे, जबकि गन का विरोध करने वाली लॉबी 2.2 करोड़ डॉलर खर्च कर पाई थी।

कई अमेरिकी राज्य भी बंदूक से जुड़े प्रतिबंधों को हटाते रहे हैं। जून 2021 में टेक्सास ने एक बिल पारित करते हुए अपने नागरिकों को बिना लाइसेंस और ट्रेनिंग के हैंडगन रखने की इजाजत दे दी थी।

दुल्हन को लाने मिलिट्री हेलिकॉप्टर से पहुंचा तालिबानी कमांडर:शादी में दिया 12 लाख का दहेज, जनता पर लगाए प्रतिबंध खुद जी रहे शानो-शौकत की जिंदगी

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार बनने के बाद अब तालिबानी नेता सरकारी सेवाओं का शौक फरमाते नजर आ रहे हैं। हाल ही में तालिबानी कमांडर शादी के बाद अपनी नई नवेली दुल्हन को लाने के लिए सेना का हेलिकॉप्टर लेकर ससुराल पहुंचें। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।अफगानिस्तान की जनता इस बात से नाराज दिखाई दे रही हैं, क्योंकि पिछले साल ही तालिबानी हुकूमत आने के बाद आम जनता पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए। जबकि तालिबानी नेता खुद सरकारी सेवाओं का फायदा उठाते हुए निजी काम कर रहे हैं। शानो-शौकत की जिंदगी का आनंद ले रहे हैं।

दहेज में पत्नी के पिता को दिए 12 लाख अफगानी रुपये

अफगानिस्तान की मीडिया खामा के मुताबिक तालिबानी कमांडर ने निकाह के दौरान दहेज में दुल्हन के पिता को 12 लाख अफगानी रुपये दिए हैं। यानी करीब 10 लाख भारतीय रुपये दुल्हन के परिवार को दहेज में दिया है। इस वजह से अफगानिस्तान में इस शादी की चर्चा जोर-शोर से हो रही है। अफगानी मीडिया के मुताबिक एक तालिबानी कमांडर ने अपनी नवविवाहित बेगम को लाने के लिए मिलिट्री हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया था। वह उन्हें लेने के लिए पूर्वी अफगानिस्तान के

लोगार से खोस्त प्रांत पहुंते थे। यह देख स्थानीय लोग काफी हैरान रह गए। ससुराल में जब हेलिकॉप्टर पहुंचा तो लोगों की भीड़ जमा हो गई, लोगों ने अपने मोबाइल पर इसका वीडिया भी रिकॉर्ड किया। यही वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।खामा प्रेस कि रिपोर्ट के मुताबिक जो तालिबानी कमांडर हेलिकॉप्टर में देखा गया है वो हक्कानी ब्रांच का कमांडर है। जो खोस्त में रहता है। जबकि बेगम लोगार के बरकी बराक जिले की रहने वाली हैं। निकाह के लिए वह शाह मजार इलाके में सैन्य हेलिकॉप्टर लेकर पहुंचे थे। दुल्हन के घर के पास के खेत में ही हेलिकॉप्टर को लैंड करवाया गया। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठी हो गई थी।

सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा, सरकार ने बताया दुश्मनों की साजिश

हेलिकॉप्टर की वीडियो वायरल होने पर अफगानिस्तान की जनता में काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। जनता का कहना है कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार खराब है, इस बीच तालिबानी नेता इस तरह सरकारी चीजों का इस्तेमाल शानो-शौकत दिखाने के लिए कर रहे हैं। वहीं इस पूरे मामले में तालिबान के उप प्रवक्ता, कारी यूसुफ अहमदी ने इन इलजामों को गलत ठहराते हुए इसे दुश्मनों की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात ने इसे खारिज कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शाओमी के बाद वीवों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने चाइनीज कंपनी शाओमी के बाद अब वीवो के ठिकानों पर छापेमारी की है। स्मार्टफोन बनाने वाली चीनी कंपनी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप हैं, ईडी इसकी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक देशभर में वीवो और उससे जुड़ी कंपनियों के 44 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। इससे पहले ईडी ने मोबाइल कंपनी शाओमी की 5,551 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। चीनी स्मार्टफोन मेकर कंपनियों पर रॉयल्टी के नाम पर देश से बाहर पैसा भेजने और टैक्स चोरी का आरोप है। सरकार ने चीन के कंपनियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में वीवो के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की गई है। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और दक्षिण के कुछ राज्यों में छापेमारी चल रही है। देश के मोबाइल फोन मार्केट में चीनी कंपनियों का दबदबा है। इसमें शाओमी, ओप्पो और वीवो शामिल हैं। भारत में ये कंपनियों दोनों हाथों से कमा रही हैं, लेकिन एक भी पैसे का टैक्स नहीं देती हैं। सरकार ने इन कंपनियों के गोरखधंधे को उजागर करने के लिए एक विस्तृत जांच शुरू की थी। यह जांच कई एजेंसियां कर रही हैं। इन कंपनियों पर पिछले कुछ वर्षों के दौरान नियामकीय फाइलिंग और दूसरी तरह की रिपोर्टिंग में अनियमितता बरतने का आरोप है। साथ ही उनकी बिजनेस प्रैक्टिसेज की भी जांच की जा रही है।

चीनी कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी इनकम के बारे में जानकारी छिपाई, टैक्स से बचने के लिए प्रॉफिट की जानकारी नहीं दी और भारतीय बाजार में घरेलू इंडस्ट्री को तबाह करने के लिए अपने दबदबे का इस्तेमाल किया। साथ ही इन कंपनियों पर कंपोनेंट्स लेने और प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रिब्यूशन में पारदर्शिता नहीं बरतने का भी आरोप है। चीनी कंपनियों ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में जो फाइलिंग की है, उसमें घाटा दिखाया है। जबकि इस दौरान इनकी जबरदस्त बिक्री हुई और सबसे ज्यादा फोन बेचने वाली कंपनियों की लिस्ट में वे टॉप पर रहीं।

प्रार्थना भी बदलो 75 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इलाके में कट्टरपंथियों का फरमान

नई दिल्ली । झारखंड के स्कूल में धर्म के नाम पर प्रार्थना को जबरन बदले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने इस पूरे मामले में हस्तक्षेप करते हुए उपायुक्त को कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। शिक्षा मंत्री ने साफ कहा है कि सरकारी स्कूलों में किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यालय, कोरवाडीह का यह मामला है। आरोप है कि यहां के प्रधानाध्यापक योगेश राम पर गांव के लोगों ने दबाव बनाया कि वो स्कूल में बरसों से हो रही प्रार्थना को बदल दें। गांव वालों के दबाव की वजह से स्कूल में 'अब दया कर दान' प्रार्थना की जगह तू ही राम, तू ही रहीम प्रार्थना शुरू हो गई। बच्चों को हाथ जोड़ प्रार्थना करने से भी मना किया गया। मुस्लिम बहुल गांव के लोगों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उनकी आबादी 75 फीसदी है। इसलिए स्कूल में प्रार्थना के लिए नियम भी हमारे मुताबिक ही बनाने होंगे। इसके बाद प्रधानाध्यापक ने इसकी जानकारी पंचायत के मुखिया और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी। खुलासा हुआ कि पिछले 4 महीने से स्कूल में पुरानी प्रार्थना को बदल कर नई प्रार्थना छात्रों से करवाई जा रही है। अब इस मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने गढ़वा के उपायुक्त से फोन पर बात कर कार्रवाई के आदेश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल में ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्कूल विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक ही चलेंगे। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्री ने साफ किया कि कोई गांव अगर मुस्लिम बहुल हो या कोई अन्य धर्म बहुल लेकिन धर्म के मुताबिक, सरकार स्कूल में प्रार्थना की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

कर्नाटक : होटल में वास्तु विशेषज्ञ चंद्रशेखर गुरुजी की छुरा घोंपकर हत्या, सीएम ने दिए सख्त एक्शन के निर्देश

नई दिल्ली । कर्नाटक के हुबली में एक होटल में सरल वास्तु से प्रसिद्धि पा चुके चंद्रशेखर गुरुजी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ चुका है। इसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि होटल के रिसेप्शन पर दो लोग उन्हें चाकू मार रहे हैं। खबर तो यह भी है कि फिलहाल इस मामले को लेकर 2 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस घटना को लेकर उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर गुरुजी की हत्या जघन्य है, यह दिन के उजाले में हुआ। वीडियो में दिख रहे दोषियों को पकड़ने के लिए मैंने पुलिस कमिश्नर लाभ राम से बात की है. पुलिस पहले से ही इस पर है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें उस होटल के लॉबी एरिया में बुलाया, जहां वह ठहरे हुए थे। एक व्यक्ति ने उसे विश किया और अचानक उसे छुरा घोंपने लगा। कई चोटों के कारण, जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया जाता, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हमने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिख रहा है कि होटल के 'रिसेप्शन' क्षेत्र में दो लोग गुरुजी को लगातार कई बार छुरा घोंप रहे हैं। हत्यारों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया है। घटना की जानकारी मिलते ही हुबली के पुलिस आयुक्त लाभू राम मौके पर पहुंचे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मूल रूप से बगलकोटे निवासी गुरुजी ने ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें मुंबई में नौकरी मिल गई। इसके बाद गुरुजी मुंबई में बस गये और वास्तु परामर्श देने लगे। तीन दिन पहले गुरुजी के परिवार के एक बच्चे की मौत हुबली में हो गई थी, जिसके कारण वह यहां आए थे।

दिल्ली से दुबई जा रहे स्पाइसजेट के विमान की कराची में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली । दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के विमान की पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। जानकारी के मुताबिक विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी, जिसके चलते कराची में विमान को उतारना पड़ा। फ्लाइट में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट के इस विमान में 150 से ज्यादा यात्री सवार थे। इन सभी को कराची एयरपोर्ट के लॉन्ज में ठहराया गया है। विमान में आई खामी की इंजीनियरों द्वारा जांच की जा रही है और तकनीकी गड़बड़ी को दूर करने के बाद ही उड़ान भरी जाएगी। उड्डयन विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इंजीनियरों की ओर से क्लियरेंस रिपोर्ट मिलने के बाद ही फ्लाइट को आगे के सफर के लिए रवाना किया जाएगा। इस बीच एक अहम जानकारी सामने आई है कि बीते 17 दिनों में यह छठा मौका है, जब स्पाइसजेट के एयरक्राफ्ट में तकनीकी खामी सामने आई है। आज की घटना के साथ ही उड्डयन महानिदेशालय ने पहले हुई 5 घटनाओं की भी जांच शुरू कर दी है। डीजीसीए ने कहा कि स्पाइसजेट का जब बोइंग 737 मैक्स एयरक्राफ्ट दिल्ली से दुबई के सफर में था तो उसके फ्यूल टैंक में गड़बड़ी सामने आई। बाएं फ्यूल टैंक में अचानक ही ईंधन कम बताने लगा और विमान के हवा में होने के चलते पायलटों की चिंता बढ़ गई। ऐसी स्थिति में विमान की कराची एयरपोर्ट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। अथॉरिटी की ओर से कहा गया कि कराची में जब जांच की गई तो लेफ्ट टैंक से फ्यूल लीक का कोई सबूत नहीं मिला। पाकिस्तान के उड्डयन विभाग ने भी स्पाइसजेट एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी दी है। पीसीएए के अधिकारी ने कहा, 'फ्लाइट के पायलट ने कंट्रोल टावर से उस वक्त संपर्क किया, जब विमान पाकिस्तान के एयरस्पेस से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई है, इसके चलते इमरजेंसी लैंडिंग करनी होगी। हमने मानवीय आधार पर कराची एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग की परमिशन दी।' इससे पहले मार्च 2021 में भी ऐसा ही वाकया सामने आया था, जब शारजाह से लखनऊ आ रहे विमान को मेडिकल इमरजेंसी के चलते कराची एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा था।

'सीमा पार लगभग 150 आतंकवादी मौजूद', डीजीपी बोले- अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने पाकिस्तान से तस्करी कर लाए गए चिपचिपे बमों को एक 卐गंभीर खतरा卐 बताया लेकिन साथ ही सोमवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है जो सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा पार लगभग 150 आतंकवादी मौजूद हैं, लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क हैं। सुरक्षा बलों ने आतंकियों के घाटी में घुसने के मंसूबों को विफल कर दिया है। पुलिस प्रमुख ने रियासी जिले के महोर में संवाददाताओं से कहा, 'अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा संबंधी सभी उपाय किए गए हैं।' वह यहां लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो वांछित आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में पुलिस की मदद करने के लिए ग्रामीणों की सराहना करने गये थे। दो आतंकवादी-तालिब हुसैन शाह, राजौरी में हालिया विस्फोटों के पीछे एक मुख्य साजिशकर्ता, और पुलवामा के उसके कश्मीरी सहयोगी फैसल अहमद डार को रविवार तड़के सुदूर टक्सन ढोक के ग्रामीणों ने काबू कर लिया और बाद में पुलिस को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता ने भारत की पाक नीति को आकार दिया : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि सीमापार आतंकवाद को सामान्य स्थिति के रूप में स्वीकार नहीं करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता ने वर्ष 2014 के बाद से भारत की पाकिस्तान नीति को आकार देने में मदद पहुंचायी। दिल्ली विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि विदेश में प्रधानमंत्री मोदी 'सर्वोत्कृष्ट भारतीय' माने जाते हैं और उनकी कूटनीति को लेकर उनकी सहजता ने उन्हें दुनिया के देशों एवं उनके नेताओं के साथ सम्पर्क बनाने में मदद की।

जयशंकर ने पुस्तक 'मोदी@20 : ड्रीम्स मीट डिलिवरी' में अपने लिखे एक अध्याय को पढ़ा और कहा, '' जब मैं उनसे (प्रधानमंत्री मोदी) वर्ष 2011 में चीन में मिला था, तब मैं राजदूत था। दूसरे मुख्यमंत्रियों के विपरीत उन्होंने खास तौर पर राजनीतिक ब्रीफिंग देने को कहा। '' उन्होंने कहा,'' मुझे उनका (मोदी) इस बात के महत्व को रेखांकित करना याद आता है कि आतंकवाद और संप्रभुत्ता के मुद्दे पर, हमें विदेश में, खासतौर से चीन में, एक स्वर में बोलने की जरूरत है।'

विदेश मंत्री ने कहा, '' जब आतंकवाद खास तौर पर इसकी सीमापार प्रकृति की बात आती है, वह (मोदी) पूरी तरह से स्पष्ट थे कि इसे (सीमापार आतंकवाद को) सामान्य स्थिति नहीं बनने दिया जायेगा। इस प्रतिबद्धता ने वर्ष 2014 के बाद से हमारी पाकिस्तान नीति को आकार देने में मदद की।'' जयशंकर ने इस बात को रेखांकित किया कि विश्व मंच पर प्रधानमंत्री मोदी का कद बढ़ा है क्योंकि उनकी नीतियों एवं पहल का प्रभाव पड़ा है।

योगी सरकार का 100 दिन का कार्यकाल निराशाजनक : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमों मायावती ने मंगलवार को निशाना साधा हैं। बसपा नेता ने ट्वीट कर कहा, 'यूपी भाजपा सरकार ने 100 दिन के कार्यकाल का काफी जश्न मना लिया किन्तु गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि की ज्वलन्त समस्याओं को दूर करने, कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने, सभी जाति व धर्मों में आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द पैदा करने के मामले में इनका कार्यकाल उदासीन व अति-निराशाजनक है।' गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों में किए गए कार्यों का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश किया था। मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर यहां संवाददाता सम्मेलन में अपनी इस शुरुआती कार्य अवधि का ब्यौरा पेश करते हुए कहा था कि यह शुरुआती 100 दिन सेवा, सुरक्षा और सुशासन के प्रति समर्पित रहे। सरकार ने 'जो कहा सो किया' के इस परंपरागत अभियान को आगे बढ़ाते हुए निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा काम किया है।

एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को किया नमन, बोले- हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को बढ़ाएंगे आगे

अमरावती। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक के बाद एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों ने बगावत किया था जिसके बाद महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन हुआ। मुख्यमंत्री बनने के बाद सोमवार को एकनाथ शिंदे ने दादर इलाके के शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी और कहा था कि उनकी सरकार आम आदमी की सरकार है। इसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज मैं यहां स्वतंत्र वीर सावरकर जी को नमन करने आया हूं, हम लोग बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे लेकर जा रहे हैं और हमारी सरकार आम लोगों की सरकार है, हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को आगे बढ़ाएंगे और राज्य का विकास करेंगे।

पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन

एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें राज्य के विकास के लिए पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है। शिंदे ने सैकड़ों शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक तबकों की आलोचना के बावजूद, उन्होंने जो जोखिम उठाया (हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के संदर्भ में) उसकी लोगों ने सराहना की है। उन्होंने कहा कि मैं पूरे राज्य का दौरा करने जा रहा हूं और हर निर्वाचन क्षेत्र में परियोजनाओं का आवंटन करूंगा। राज्य का पूरी तरह से कायापलट किया जाएगा। मैं बढ़ा-चढ़ाकर बात नहीं करना चाहता, मैं काम करता हूं और फिर बोलता हूं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें राज्य के विकास के लिए काम करने को कहा है। शिंदे ने कहा, '' उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) मुझसे कहा कि वह और केंद्र सरकार मेरा समर्थन करेंगे। यहां तक कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपना पूरा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि मैं हिंदुत्व के लिए अच्छा काम कर रहा हूं।''

बाल ठाकरे के स्मारक पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी

महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सोमवार रात मुंबई के दादर इलाके के शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक पहुंचे और कहा कि उनकी सरकार आम आदमी की सरकार है। उन्होंने शाम करीब साढ़े सात बजे शिवसेना के उन विधायकों के साथ स्मारक पर फूल चढ़ाए, जो उनके गुट में शामिल हो गए थे। शिंदे ने कहा, यह सरकार बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से 99 के मुकाबले 164 के प्रचंड बहुमत से विश्वास मत साबित कर सत्ता में आई है। महाराष्ट्र विधानसभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और शिवसेना के विधायकों की संख्या 99 है जबकि भाजपा, शिंदे गुट और निर्दलीय विधायकों की तादाद 164 से ज्यादा है। इससे पहले, शिंदे ने दक्षिण मुंबई में हुतात्मा चौक स्मारक पर जाकर संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वह चैत्यभूमि भी गए। शिवाजी पार्क से शिंदे एक विशेष बस से ठाणे शहर में अपने आवास पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

अब नौसेना में दिखेगी बेटियों की ताकत अग्निपथ के तहत 20 फीसदी महिलाओं को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने अग्निपथ योजना के विरोध के बीच ही भर्ती के नोटिफिकेशन जारी कर दिए थे। इस स्कीम के तहत तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन कर रहे हैं। भारतीय नौसेना की तरफ से मंगलवार को कहा गया कि अग्निपथ के तहत 20 फीसदी भर्तियां महिलाओं की की जाएगी। एक नौसेना अधिकारी ने बताया कि इन अग्निवीरों को समुद्री रक्षा बल की अलग-अलग ब्रांच में भेजा जाएगा। नौसेना ने 1 जुलाई से ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि अब तक 10 हजार से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन किए हैं। अधिकारियों ने कहा, नेवी में अग्निपथ योजना जेंडर न्यूट्रल है। अब भी हमारे यहां युद्धपोतों पर 30 महिला अधिकारी लीड करती हैं। जिन ब्रांचों में महिला अग्निवीरों को पोस्ट किया जाएगा उनमें ऑर्डनैंस, इलेक्ट्रिकल ऐंड नेवल एयर मकैनिक्स, कम्युनिकेशन ऐंड कम्युनिकेशन वारफेयर, गनरी वेपन्स ऐंड सेंसर्स शामिल हैं। पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कि वॉरशिप पर तैनात करने के लिए महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी। नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि पहली बार महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी जो कि समुद्र में अपनी ड्यूटी देंगी। बता दें कि आर्मी ने भी 1 जुलाई को ही अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देशभर में भर्ती रैली की तारीफ पर फैसला हो गया है। 14 जून को अग्निपथ योजना लॉन्च की गई थी। इसके बाद देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने भी इस योजना को राष्ट्रहित और युवाओं को विरुद्ध बताया और प्रदर्शन किए। इसके तहत अग्निवीर चार साल तक सेना में सेवा देंगे और इसके बाद 75 फीसदी सैनिक रिटायर हो जाएंगे। वहीं 25 फीसदी को स्थायी नौकरी दी जाएगी। बहुत दबाव के बावजूद सरकार ने साफ कह दिया है कि यह योजना वापस नहीं ली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका इस योजना के विरोध में दी गई है जिसपर सुनवाई के लिए कोर्ट तैयार हो गया है।

संविधान के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले केरल के मंत्री को बर्खास्त किया जाए : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने केरल सरकार के एक मंत्री द्वारा संविधान के बारे में 'आपत्तिजनक टिप्पणी' किए जाने को लेकर मंगलवार को कहा कि इस मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, '' हम केरल सरकार के मंत्री साजी चेरियन द्वारा भारत के संविधान पर हमला किए जाने की निंदा करते हैं और इसे खारिज करते हैं। उन्होंने न सिर्फ उस संविधान का अपमान किया है, जिसकी उन्होंने शपथ ली है, बल्कि बाबा साहेब आंबेडकर और भारत के विचारों को भी उन्होंने अपमानित किया है।

उन्हें तत्काल पद से हटाया जाना चाहिए।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''केरल के मंत्री ने संविधान के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की है, उन्हें तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए।'' गौरतलब है कि केरल के मंत्री साजी चेरियन ने संविधान की कथित तौर पर कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह ''शोषण को माफ करता है'' और इसे इस तरह से लिखा गया है कि इसका इस्तेमाल देश के लोगों को ''लूटने'' के लिए किया जा सके। इस बयान को लेकर वह राज्य में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित विभिन्न वर्गों के निशाने पर आ गए हैं। चेरियन ने मल्लापल्ली में हाल ही में आयोजित हुए एक राजनीतिक कार्यक्रम में यह बयान दिया था। मंगलवार को क्षेत्रीय टेलीविजन चैनलों के इस भाषण को प्रसारित करने के बाद यह मुद्दा सामने आया।

दिल्ली में 'आप' से बीजेपी डरी हुई है, केजरीवाल ने कहा- जल्द हो एमसीडी चुनाव वरना हम जाएंगे कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि एमसीडी चुनाव नहीं कराने के लिए केंद्र अपनी शक्तियों का प्रयोग कर रहा है और गुंडागर्दी कर रहा है। दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए, केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए इस मामले में अदालत का रुख करेगी। केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए हमें अदालत का दरवाजा खटखटाना होगा और हम करेंगे।

केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसी बातचीत चल रही है कि दिल्ली को पूर्ण केंद्र शासित प्रदेश में बदला जा सकता है और फिर चुनाव नहीं होंगे। दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम, 2022 के इस साल की शुरुआत में संसद में पारित होने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी के तीन नगर निकायों को मिलाकर दिल्ली का नया एकीकृत नगर निगम 22 मई को लागू हुआ। तीनों नगर निकाय - उत्तर, दक्षिण और पूर्वी दिल्ली नगर निगम - एकीकरण से पहले भाजपा के नियंत्रण में थे। भाजपा ने नगर निकायों को नियंत्रित किया है, जिन्हें 2012 में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा 15 वर्षों तक तीन भागों में विभाजित किया गया था।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आप से बीजेपी डरी हुई है। वे चुनाव नहीं कराना चाहते। यह अलोकतांत्रिक है। जरूरत पड़ी तो हम मामले को कोर्ट में ले जाएंगे। दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने कहा, 'यह देश के लिए काला दिन था।' सत्येंद्र जैन को 30 मई को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद है।

इस साल अमरनाथ यात्रियों की बड़ी संख्या को देखकर खुश हैं टैंट और खच्चर वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कड़ी सुरक्षा के बीच पवित्र अमरनाथ यात्रा जारी है। मंगलवार सुबह भी 6,300 से अधिक तीर्थयात्रियों का छठा जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया है कि अभी तक 72000 से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या जिस तरह तेजी से बढ़ रही है उसको देखते हुए इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद जताई जा रही है। तीन साल के अंतराल के बाद शुरू हुई अमरनाथ यात्रा को लेकर जहां श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है वहीं यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पालकी की सेवा प्रदान करने वाले, घोड़े और खच्चर वाले, टैंट वाले या जरूरी सामान बेचने वाले लोग बहुत खुश हैं। इन लोगों का कहना है कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद सुरक्षा कारणों से अमरनाथ यात्रा बीच में ही रोक दी गयी थी और उसके बाद दो साल कोरोना में निकल गये जिससे इस यात्रा का आयोजन नहीं हो सका था लेकिन अब जब हालात में बड़ा सुधार आया है तो श्रद्धालुओं की भीड़ आने से कारोबार अच्छा हो रहा है। प्रभासाक्षी संवाददाता ने जब इन लोगों की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो सभी ने अपनी खुशी जताई।

उपराज्यपाल ने लिया सुविधाओं का जायजा

वहीं अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। कहीं कोई कमी ना रह जाये इसके लिए स्वयं जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए बनाए गए बालटाल आधार शिविर का दौरा कर वहां पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपराज्यपाल ने बालटाल आधार शिविर में श्री अमरनाथजी तीर्थयात्रियों, अधिकारियों और खच्चर वालों से बातचीत की। उन्होंने सुविधाओं, सेवाओं की गुणवत्ता, यात्रियों, स्वयंसेवकों की भलाई के बारे में पूछताछ की और नियंत्रण कक्षों का निरीक्षण भी किया।

सुरक्षा बल पूरी तरह मुस्तैद

दूसरी ओर, अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल किस तरह मुस्तैद हैं इसका उदाहरण सोमवार को तब देखने को मिला जब महाराष्ट्र के अकोला निवासी सत्यनारायण तोशनेयार बरारीमार्ग में अमरनाथ तीर्थ यात्रा से लौटते समय खच्चर समेत नदी में गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गये। सत्यनारायण तोशनेयार के सिर में चोट आई है और उनकी पसलियां टूट गई हैं। दरअसल उनके खच्चर का संतुलन बिगड़ने से वह सिंद नदी की ओर 100 फीट नीचे गिर गए थे। जैसे ही घटना की सूचना मिली वैसे ही बचाव दल उन्हें सुरक्षित निकाल कर पहले सेना के शिविर तक लाया, फिर उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा नीचे श्रीनगर के अस्पताल ले जाया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसी बिगड़ने पर यात्रियों ने सूरत में दो घंटे ट्रेन रोक किया हंगामा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत ,एक ओर ट्रेन के टिकट के दर में वृद्धि की जा रही है, दूसरी ओर यात्रियों को पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जाती। गर्मी से बचने के लिए यात्री एसी कोच में बुकिंग करवाते हैं। यात्रियों को परेशानी तब होती है जब एसी बिगड़ जाए और उसमें से पानी टपकने लगे। ऐसे में यात्री कहां बैठेगा और कहां अपना सामान रखेगा। ऐसी ही एक घटना बिकानेर-यशवंतपुर के बीच चलने वाली ट्रेन से सामने आई है। सूरत रेलवे स्टेशन पर पहुंची बिकानेर-यशवंतपुर ट्रेन का एसी बंद हो गया। एसी बंद हुआ और उसमें लगातार पानी टपकने लगा, जिससे यात्रियों का सामान भी भिगने लगा।

यात्रियों की हालत यह हो गई कि वह बैठे कहां और अपना सामान कहां रखे। घटना से गुस्साए यात्रियों ने हंगामा किया और अन्य ट्रेन की मांग की। करीब दो घंटों तक यात्रियों ने ट्रेन को रोक रखा।

गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश के साथ ही चलेंगी तेज हवाएं,मछुआरों को समुद्र में ना जाने की चेतावनी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आगामी 5 दिन गुजरात में भारी बारिश के साथ ही तेज हवाएं चलेंगी। जो चक्रवात का अनुभव करा सकती हैं। खासकर 6, 7 और 8 जुलाई को गुजरात के कई हिस्सों में भारी से अतिभारी हो सकती है। खासकर तटीय इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश होगी। ऐसे में मछुआरों को अगले पांच दिन समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल बना लो प्रेशर मध्य प्रदेश के रास्ते गुजरात की ओर आएगा। हांलाकि गुजरात पहुंचने तक इसका असर कम हो जाएगा। लेकिन इसके असर से गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश होगी। 6 जुलाई से पूरे गुजरात के तटीय इलाके के मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 6, 7 और 8 जुलाई को गुजरातभर में बारिश की संभावना है। खासकर 7 और 8 जुलाई को उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश होगी। हांलाकि अहमदाबाद छुटपुट बारिश होने का अनुमान है। 6 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में सामान्य बारिश होगी और उसके बाद भारी से अतिभारी बारिश होगी। सौराष्ट्र में भारी से अतिभारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए सरकार के साथ जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। गिर सोमनाथ जिला कलेक्टर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि संभावित चक्रवात और भारी बारिश की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गिर सोमनाथ जिले में एनडीआरएफ के 25 जवानों की टीम अत्याधुनिक साधनों के साथ तैनात कर दी गई है। जिले में 29 शेल्टर होम भी तैयार कर लिए गए हैं।

गुजरात कांग्रेस एक और झटका, भरुच के मजबूत नेता समेत 300 समर्थक भाजपा में शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस को झटके पे झटके लग रहे हैं। भरुच जिला कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। भरुच कांग्रेस के मजबूत नेता माने जाते महेश परमार अपने 300 जितने समर्थकों के साथ वागरा के विधायक अरुणसिंह राणा के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। जहां गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की मौजूदगी में भगवा धारण कर लिया। सीआर पाटील ने कांग्रेस के पूर्व महासचिव प्रदीपसिंह माटीएडा, कांग्रेस के नेता जयदीपसिंह माटीएडा, आदिवासी नेता कालीदास वसावा, अयूब अब्दुलभाई सेठ और बीटीपी के उपाध्यक्ष मुकेश बाबरभाई वसावा को भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। महेश परमार भरुच तहसील की पूर्वपट्टी के अल्पसंख्यक और एससी, एसटी समाज के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल होकर कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। चुनाव से पहले जिस प्रकार कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं, उससे कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ा नुकसान हो सकता है और इसका भाजपा को फायदा मिल सकता है। भाजपा में शामिल होने के बाद महेश परमार ने कहा कि पिछले काफी समय से कांग्रेस एससी और एसटी समाज के साथ अन्याय कर रही है।

सूरत पांडेसरा में देर शाम D-मार्ट के सामने हुआ भयानक सड़क हादसा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, पांडेसरा पंच मुखी हनुमान मन्दिर के सामने हुआ भयानक दुर्घटना रोड क्रॉस करते हुए 3 व्यक्ति घायल, एक ही हालात गंभीर बताई जा रही है.

पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने रोड क्रोस कर युवती को बीआरटीएस रोड में तेजी से आ रही बुलेट ने मारी टक्कर टक्कर इतनी जोर थी कि युवती मौके पर ही बेहोश हो गई बुलेट लगभग 500 मीटर दूर जाकर रुकी बुलेट पर दो लोग सवार थे फिर हाल घायल को एम्बुलेंस सूरत के सिविल अस्पताल में ले गई

सूरत मनपा सचीन अधिकारीयों की लापरवाही, रोड़ पर मौत का कुआं खुला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सचीन नगर पालिका के अस्तित्व में आने के बाद भष्टाचार की चरम सीमा पार कर अपने पद पर कार्यरथ अधिकारीयों में सामान्य जनता की फरियाद सुनने का समय नही होता लेकिन ऑफ़िस में बैठ कर अपनी मित्रों के साथ चाय की चुस्की बारिश के मौसम में लिया जाता है,मुलाक़ात करने के लिए स्लीप भर के देने के बाद भी अन्य व्यकित के मुलाक़ात करने को कहा जाता है लेकिन किसी तरह की फरियाद रूबरू मिलने पर पाबंदी लगा देते है!

सूरत मनपा कमिश्नर श्री आप इस स्थल पर समय हो तो जाँच करने का कष्ट करें तो इस बारिश के मौसम में पानी भरने से हो सकता है की किसी प्रकार की दुर्घटना घटने से बचा जा सके.